twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

DD

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | रविवार, 27 अप्रैल, 2025 | वर्षः 12, अंकः 170, पृष्ठः 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

घाटी में छिपे दुश्मन बेनकाब, 14 आतंकवादियों का पर्दाफाश

सरकार बोली- आर्मी मूवमेंट की कवरेज न करें, हरियाणा में 460 पाकिस्तानियों को निकालने का आदेश

जम्मू-कश्मीर

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले के बाद, केंद्र शासित प्रदेश में सक्रिय 14 स्थानीय आतंकियों की सूची सुरक्षा एजेंसियों ने जारी की है। इन आतंकियों में से प्रत्येक ने पाकिस्तान से आए बाहरी आतंकियों को जमीन और चिकित्सा सहायता प्रदान की है। इन 14 आतंकियों की उम्र 20 से 40 वर्ष के बीच है और वे तीन बड़े पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठनों, हिजबुल मुजाहिदीन, लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े हैं। इनमें से तीन आतंकी हिजबुल, आठ लश्कर-ए-तैयबा और तीन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े हैं।

जारी की गई सूची में निम्नलिखित नाम हैं:

1- अदिल रहमान डेंटू (21): 2021 से लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा, सोपोर जिले का कमांडर

2- आसिफ अहमद शेख (28): जैश-ए-मोहम्मद का आतंकी, अवंतीपोरा जिले का कमांडर

3- अहसन अहमद शेख (23): पुलवामा में सक्रिय लश्कर-ए-तैयबा आतंकी

4- हारिस नजीर (20): लश्कर-ए-तैयबा से 2023 से जुड़ा, पुलवामा निवासी

5- आमिर नजीर वानी (20): पुलवामा में सक्रिय, 2024 से जैश-ए-मोहम्मदसे जुड़

6- यावर अहमद भट: पुलवामा निवासी, 2024 से जैश-ए-मोहम्मद से जुड़ा

7- आसिफ अहमद खंडे (24): शोपियां निवासी, जुलाई 2015 से हिजबुल से जुड़ा

8- नसीर अहमद वानी (21): 2019 से शोपियां मेंलश्कर-ए-तैयबा का सक्रिय आतंकी

9- शाहिद अहमद कुटाय (27): शोपियां में सक्रिय, लश्कर-ए-तैयबा और उसके फ्रंट से जुड़ा

10- आमिर डार: लश्कर-ए-तैयबा का सदस्य, 2023 से शोपियां में सक्रिय।

11- अदनान सफी डार: 2024 से लश्कर-ए-तैयबा और ळफ्रक्तके लिए काम कर रहा, सूचना संप्रेषक

12- जुबैर अहमद वानी उर्फ अबू उबैदा उर्फ उस्मान (39): अनंतनाग में हिजबुल का ऑपरेशनल कमांडर

13- हारून रशीद गनई (32): हिजबुल का आतंकी, प्रशिक्षण प्राप्त कर हाल में वापस लौटा है

14- जाकिर अहमद (29): कुलगाम निवासी, लश्कर-ए-तैयबा का सदस्य, सुरक्षा बलों पर हमलों में शामिल

आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़, भारी मात्रा में हथियार बरामद

श्रीनगर

कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में शनिवार को सुरक्षाबलों ने एक आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़ कर भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है। सुरक्षाबलों ने मौके से पांच एके-47 राइफल, आठ एके-47 मैगजीन, एक पिस्तौल और एक पिस्तौल मैगजीन बरामद की है। शुक्रवार को एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि विशेष खुफिया सूचना के आधार पर सुरक्षाबलों ने उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के मुश्ताकाबाद माछिल (समशा बेहक वन क्षेत्र) के सेदोरी नाला के जंगली इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान एक आतंकवादी ठिकाने का सफलतापूर्वक पता लगाया गया। अधिकारी ने बताया कि आतंकवादी ठिकाने की तलाशी लेने के दौरान मौके से पांच एके-47 राइफल, आठ एके-47 मैगजीन, एक पिस्तौल, एक पिस्तौल मैगजीन, गोला-बारूद के 660 राउंड, एक पिस्तौल राउंड और एम4 गोला-बारूद के 50 राउंड समेत भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त किया गया।

लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों के सहयोगियों के तीन और घरों को किया गया ध्वस्त

श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर सरकार ने पहलगाम हमले के बाद दक्षिण कश्मीर के पुलवामा, शोपियां और कुलगाम में लश्कर-ए-तैयबा आतंकवादियों के संदिग्ध तीन सहयोगियों के घरों को ध्वस्त कर दिया। इसके साथ ही पिछले 24 घंटों में ध्वस्त किए गए घरों की कुल संख्या

पांच हो गई। ताजा कार्रवाई में पुलवामा के अहसान शेख, शोपियां के शाहिद अहमद कुट्टे और कुलगाम के जाहिद अहमद का घर जमींदोज कर दिया गया।अधिकारियों के अनुसार, अहसान ने पहलगाम हमले में पाकिस्तानी आतंकवादियों को रसद और प्रत्यक्ष सहायता भी प्रदान की थी। कुट्टे और अहमद पर पिछले 3-चार वर्षों से राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। इससे पहले अधिकारियों ने शुक्रवार को पहलगाम आतंकी हमले में शामिल कश्मीर के दो अन्य अन्य आतंकवादी सहयोगियों आसिफ शेख और आदिल थोकर के घरों को उड़ा दिया था।

पहलगाम हमले से अमरनाथ यात्रा प्रभावित नहीं होगी: उपमुख्यमंत्री

जम्मू

उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने आग को कहा कि पहलगाम आतंकी हमले से वार्षिक अमरनाथ तीर्थयात्रा प्रभावित नहीं होगी जो दक्षिण कश्मीर के पर्यटक स्थल से होकर गुजरती है। पहलगाम वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए प्रमुख आधार शिविरों में से एक है और यह दक्षिण कश्मीर हिमालय में 3,880 मीटर ऊंचे गुफा मंदिर तक जाने वाले पारंपरिक 43 किलोमीटर के मार्ग पर पड़ता है। चौधरी ने कहा कि अमरनाथ यात्रा एक धार्मिक आयोजन है जो लोग अमरनाथ यात्रा पर आना चाहते हैं, वे अपनी इच्छा से आएंगे। कुछ लोग केदारनाथ जाते हैं और कुछ नहीं जाते क्योंकि वहां बर्फ होती है। केवल पहलगाम आतंकी हमले के कारण यात्रा प्रभावित नहीं होगी। आतंकवादियों ने मंगलवार को दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में एक प्रमुख पर्यटक स्थल पर हमला किया, जिसमें कम से कम 26 लोग मारे गए, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे और कई अन्य घायल हो गए। जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमला एक बड़ी घटना थी लेकिन यह जम्मू-कश्मीर की समृद्ध संस्कृति और परंपरा की नींव को हिला नहीं सकता। कश्मीरी खुद ही यात्रा की सुविधा प्रदान करेंगे, जैसा कि वे वर्षों से करते आ रहे हैं। मैं समझता हूं कि पर्यटकों ने अपनी जान गंवाई है, लेकिन हम यह नहीं भूल सकते कि आदिल जैसे लोग भी हैं जो एक घोड़ा मालिक हैं जिन्होंने पर्यटकों को बचाते हुए अपनी जान गंवा दी।

पहलगाम हमला: पाक को चुकानी होगी बड़ी कीमत: बीजेपी

नई दिल्ली

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच के रिश्ते में तनाव काफी बढ़ गया है। भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई बड़े फैसले लिए हैं। इस बीच पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो जरदारी के बयान के बाद भारत में एक बड़ा उबाल आ गया है। भुट्टो के बयान पर भारत ने कड़ा ऐतराज जताया है और इसकी कड़ी निंदा की है। पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था। पाकिस्तान को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि अभी तो केवल इसकी शुरूआत हुआ है। केंद्रीय मंत्री ने कड़े शब्दों में कहा कि पाकिस्तान को इसकी बड़ी कीमत चुकानी होगी। पहलगाम आतंकी हमले पर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि पहलगाम की घटना स्पष्ट रूप से पड़ोसी राज्य द्वारा किया गया सीमा पार आतंकवादी हमला है और वे इसकी जिम्मेदारी ले रहे हैं। केंद्रीय मंत्री पुरी ने कहा कि पहले की तरह अब कोई कारोबार जारी नहीं रहेगा। जैसा कि पीएम मोदी ने कहा कि पाकिस्तान को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी और यह तो बस शुरूआत है। आतंकवादी जीवन के सबसे मौलिक अधिकार को छीन लेते हैं। इसकी पूरी दुनिया निंदा कर रही है। पाकिस्तान न केवल एक दुष्ट देश है, बल्कि यह एक पतनशील देश है। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने पलटवार किया।

युद्ध की जरूरत नहीं: सिद्दरमैया, बयान पर भड़की बीजेपी

मैसूर

पहलगाम में आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध छेड़ने पर चल रही बहस के बीच कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने शनिवार को कहा कि इस समय पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध छेड़ने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा के कड़े कदम उठाए जाने चाहिए। हम युद्ध के पक्ष में नहीं हैं। शांति होनी चाहिए, लोगों को सुरक्षित महसूस होना चाहिए। भाजपा ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि पहलगाम हमले पर उनकी सलाह की कोई जरूरत नहीं है और वह पाकिस्तान के साथ युद्ध पर टिप्पणी करने के लिए अयोग्य हैं।

कैलाश मानसरोवर यात्रा: वेबसाइट के जरिए करें आवेदन

नई दिल्ली। कैलाश मानसरोवर यात्रा 2025 का आयोजन जून से अगस्त के बीच किया जाएगा। यात्रा के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया वेबसाइट पर शुरू कर दी गई है। विदेश मंत्रालय की ओर से आयोजित इस पवित्र तीर्थ यात्रा में इस वर्ष कुल 15 बैच भेजे जाएंगे। इनमें से 5 बैच उत्तराखंड के लिपुलेख दर्रे से और 10 बैच सिक्किम के नाथू ला दर्रे से यात्रा करेंगे। हर बैच में 50 यात्री शामिल होंगे । यानी इस वर्ष 750 यात्री कैलाश मानसरोवर की यात्रा कर सकेंगे। विदेश मंत्रालय ने आज इस संबंध में वक्तव्य जारी कर कहा कि यात्रियों का चयन एक निष्पक्ष, कम्प्यूटर जनित और महिला-पुरुष संतुलन प्रक्रिया से किया जाएगा। यह प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और डिजिटल है। 2015 से ही यह प्रणाली पूरी तरह से कम्प्यूटराइज्ड हो गई है। अब इच्छुक यात्रियों को आवेदन या जानकारी के लिए पत्र या फैक्स भेजने की आवश्यकता नहीं है।

गुजरात: 500 बांग्लादेशी घुसपैठिए हिरासत में

अहमदाबाद/सूरत

पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद गुजरात में घुसपैठियों के खिलाफ पुलिस ने मेगा सर्च ऑपरेशन शुरू किया है। अब तक के सबसे बड़े इस सर्च ऑपरेशन में अहमदाबाद और सूरत में ही पांच सौ से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है। इन सभी की पहचान संबंधी कागजात की जांच की जा रही है, बाद में उन्हें डिपोर्ट किया जाएगा। इस मामले में सूरत पुलिस आयुक्त के कार्यालय से गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने राज्य के पुलिस महानिदेशक समेत सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ मीटिंग की है। पुलिस अवैध घुसपैठिया लोगों को पहचान करने के बाद डिपोर्ट करने की तैयारी कर रही है। पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादी हमले के बाद केन्द्र सरकार ने पाकिस्तान के सभी नागरिकों को देश छोड़ने का अल्टीमेटम दिया है। इसके बाद 25 अप्रैल की देर रात से अहमदाबाद और सूरत में पुलिस ने विभिन्न टीम बनाकर अलग-अलग क्षेत्रों में सर्च ऑपरेशन शुरू किया है।

सीमांत गांव में रहने वाले लोग रह रहे डर के साये में

पुंछ

पुंछ जिले के करमहा गांव के लोग अपनी सुरक्षा के लिए सरकारी बंकरों को साफ कर रहे हैं। यह बंकर सीमा से सटे क्षेत्रों में बनाए गए थे, ताकि लोग किसी भी आपातकालीन स्थिति में उनका उपयोग कर सकें। आपदा के समय जीवन बचाने के लिए इस्तेमाल किए जा सकते हैं। ग्रामीण अपनी पूरी कोशिश से बंकरों को सुरक्षित और उपयोगी बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं। 22 अप्रैल को पहलगाम के बायसरन के मैदान में दोपहर लगभग 2 बजे हुए आतंकी हमले में 26 पर्यटक मारे गए।

कोई बुराई पर उतर आए तो राजा का कर्तव्य है प्रजा की रक्षा करें: संघ

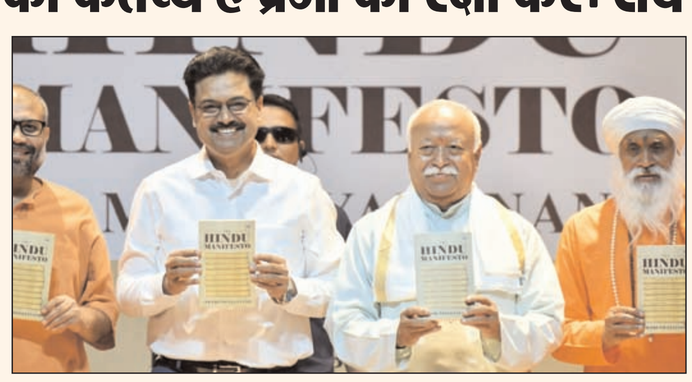

नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत का कहना है कि हिन्दू समाज ही पहले हिन्दू धर्म को ठीक से समझे' हिन्दू मेनिफेस्टो नामक एक पुस्तक का लोकार्पण करते हुए उन्होंने एक बार फिर दोहराया की राजा का धर्म है कि वह अपने समाज और उसके नागरिकों की रक्षा करें' उन्होंने कहा कि विश्व में अनेक प्रकार की सभ्यताएं दोराहे पर खड़ी हैं और भविष्य का मार्ग ढूंढ रही हैं' यह मार्ग भारत ही उन्हें दिखा सकता है लेकिन उससे पहले भारत को स्वयं पूर्ण दृष्टि वाला समर्थ और सबल भारत बनकर खड़ा होना होगा आईआईटी खड़गपुर के स्नातक और संन्यासी स्वामी विज्ञानानंद की शोध पूर्ण और काल सुसंगत पुस्तक द हिंदू मेनिफेस्टो की प्रशंसा करते हुए डॉ. भागवत ने कहा कि यह पुस्तक एक विमर्श पैदा करेगी, भविष्य के लिए एक मार्ग प्रशस्त करेगी ' हिन्दू धर्म की बौद्धिक संपदा और उसकी वैश्विक दृष्टि को लोगों के बीच तक पहुंचाने का काम करेगी। लोकार्पण समारोह का आयोजन प्रधानमंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय परिसर में किया गया। डॉ. भागवत ने कहा कि सनातन हिन्दू समाज की दृष्टि को लोगों तक पहुंचाना यह समय की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि यह बात ठीक है कि हमने कभी किसी पर आक्रमण नहीं किया और हमारी अहिंसा लोगों की सोच को बदलने के लिए है, पर जब कोई सोच नहीं बदलता है तो उसको दंडित करना भी धर्म ही होता है ' हमने राम रावण युद्ध में इसे देखा है। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ योगेश कुमार ने हिन्दू चिंतन को विश्व का सर्वश्रेष्ठ चिंतन बताते हुए कहा कि वसुधैव कुटुंबकम का भाव इसी दृष्टिकोण में से निकला है।

भारत एक बार फिर विश्व गुरु बन सकता है: मोहन भागवत

मोहन भागवत ने कहा कि वेदों उपनिषदों आदि के माध्यम से यह स्पष्ट सिद्ध किया है की समृद्धि, राष्ट्रीय सुरक्षा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, जिम्मेदार लोकतंत्र, महिलाओं के प्रति सम्मान, सामाजिक सद्भाव, प्रकृति की पवित्रता और मातृभूमि के प्रति सम्मान इन आठ मार्गदर्शन सिद्धांतों पर चलकर भारत एक बार फिर विश्व गुरु बन सकता है' उन्होंने कहा कि मैंने पूरी जिम्मेदारी के साथ शोध किया है और उसके संदर्भ भी दिए हैं।इस अवसर पर नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय बाल्मीकि मंदिर के प्रमुख स्वामी कृष्ण शाही विद्यार्थी जी महाराज ने आशीर्वचन दिया।

भारत में 625 उड़ान मार्ग शुरू

नई दिल्ली। देश में उड़ान योजना के तहत 625 हवाई मार्गों पर सेवाएं शुरू हो चुकी हैं। इन मार्गों से देशभर के 90 हवाई अड्डे आपस में जुड़ गए हैं। इस योजना का 1.49 करोड़ से ज्यादा यात्रियों ने लाभ उठाया है। इस योजना की शुरूआत 21 अक्टूबर 2016 को हुई थी, जिसकी पहली उड़ान 27 अप्रैल, 2017 को शिमला से दिल्ली के बीच भरी गई थी। इसका उद्देश्य देश के छोटे शहरों को भी हवाई यात्रा से जोड़ना और लोगों को सस्ती हवाई सेवाएं उपलब्ध कराना था।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने शनिवार को जारी एक बयान में बताया कि देश में हवाई अड्डों की संख्या 2014 में 74 थी, जो 2024 तक बढ़कर 159 हो गई है। पिछले 10 साल में हवाई अड्डों की संख्या दोगुनी से भी ज्यादा हो गई है। उड़ान योजना के तहत सरकार ने अब तक 4,023.37 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता (वीजीएफ) दी है, ताकि कंपनियां दूरदराज के इलाकों में भी उड़ानें चला सकें।

जो जिस भाषा में समझेगा, उसी भाषा में जवाब देंगे: सीएम योगी

लखीमपुर खीरी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहलगाम में पर्यटकों पर हुए कायराना आतंकी हमले की निंदा करते हुए यूपीवासियों की ओर से संवेदना व श्रद्धांजलि व्यक्त की। सीएम ने कहा कि सभ्य समाज में आतंकवाद-अराजकता के लिए कोई जगह नहीं है। भारत सरकार का सेवा, सुरक्षा व सुशासन का मॉडल विकास, गरीब कल्याण और सबकी सुरक्षा पर आधारित है। सुरक्षा में सेंध लगाने वालों को जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत 'जिस भाषा में समझेगा, उस भाषा में जवाब देने के लिए' नया भारत तैयार है। नया भारत किसी को छेड़ता नहीं, लेकिन छेड़ने वाले को पीएम मोदी के नेतृत्व में छोड़ेगा भी नहीं। जीरो टॉलरेंस नीति के अंतर्गत ही यूपी को माफिया, अराजकता, दंगा मुक्त किया और देश की अग्रणी अर्थव्यवस्था के रूप में लाकर खड़ा किया। मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को ऋण, अनुदान, आवास व ट्रैक्टर की चाबी आदि प्रदान की। बाढ़ नियंत्रण की सकारात्मक पहल के लिए बिजवा व पलिया ब्लॉक के किसानों ने मंच पर आकर मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश को आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का प्रदेश बताते हुए कहा कि बाढ़ हो या बीमारी, नए भारत का नया उप्र इसके समाधान के लिए बखूबी आगे बढ़ा है।

सीएम ने कहा कि पिछले वर्ष पलिया व निघासन क्षेत्र के लोगों को बाढ़ से जूझते हुए देखा था, तब मैंने कहा था कि चिंता न कीजिए, इसके स्थायी समाधान का रास्ता निकालेंगे। जनप्रतिनिधियों के सहयोग से जलशक्ति विभाग बाढ़ के स्थायी समाधान के लिए शारदा नदी को चैनलाइज करने जा रहा है। इससे किसान का खेत भी बचेगा और बाढ़ से बस्ती भी बचेगी। सात किमी. लंबा चैनल बनाने का कार्य हो रहा है। सीएम ने बताया कि अप्रैल के पहले सप्ताह में आना था, लेकिन मैंने कहा कि पहले काम शुरू करो। अब यह कार्य तेजी से बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री-मंत्री का नहीं, यह जनता के टैक्स का पैसा है

योगी ने कहा कि सरकार जो पैसा खर्च करती है, वह मुख्यमंत्री-मंत्री का नहीं, बल्कि यह जनता के टैक्स का पैसा है। इसका सदुपयोग होना चाहिए। पहले प्रस्ताव आया था कि 180 करोड़ से तटबंध बनाया जाए। इससे किसानों की जमीन भी जाती। मैंने पूछा कि शारदा नदी में तीन-सवा तीन लाख क्यूसेक पानी आएगा तो मिट्टी का तटबंध कैसे इसे रोक पाएगा। यह समस्या का समाधान नहीं है, नदी को चैनलाइज कीजिये, ड्रेजर मंगाइये और नदी को एक साथ चलने का रास्ता दीजिये तब बाढ़ की समस्या का समाधान होगा।

किसान, युवा व आधी आबादी डबल इंजन सरकार की शीर्ष प्राथमिकता में

मुख्यमंत्री ने कहा कि अन्नदाता किसान, युवा व आधी आबादी डबल इंजन सरकार की शीर्ष प्राथमिकता में है। सरकार ने किसानों के कर्ज माफी से कार्यों की शुरूआत की थी। हर किसान को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि दी जा रही है। हमने पहले दिन से ही कहा था कि किसी को भी किसानों के शोषण की इजाजत नहीं देंगे। 2017 के पहले किसानों का 10-10 वर्षों का गन्ना मूल्य बकाया रहता था, आज एक वर्ष पुराना भुगतान किसी का नहीं होगा। 122 में से 105 चीनी मिलें एक सप्ताह के अंदर भुगतान कर रही हैं। शेष 17 मिलों में लेटलतीफी का समाधान निकाल रहे हैं। पैसा किसी का डूबेगा नहीं, क्योंकि चीनी मिल का कब्जा सरकार के पास है। अभी हमने एस्क्रो अकाउंट खोला है, यह ज्वाइंट एकाउंट होगा। जो भी चीनी बिकेगी, उसका पैसा पहले किसान के पास जाएगा, फिर चीनी मिल मालिक के पास।

गुरुग्राम में बोले बाबा धीरेन्द्र शास्त्री- 'हिंदुओं को एकजुट करने के लिए देशभर में निकालूंगा पदयात्रा'

एजेंसी

गुरुग्राम। बागेश्वर धाम के बाबा धीरेन्द्र शास्त्री ने आतंकियों को पंक्चर पुत्र कहते हुए हिन्दुओं को एकजुट होने का आह्वान किया। शास्त्री ने कहा कि अब समय आ गया है हमें क्षेत्र और भाषा के हिसाब से बंटना नहीं बल्कि एकजुट होना है।मैंने प्रण लिया है कि हिंदुओं को एकजुट करने के लिए देश के कोने कोने में पदयात्रा निकालूंगा। उन्होंने कहा कि हिन्दुओं मेरा साथ दो, मैं तुम्हें हिंदु राष्ट्र दूंगा। बाबा धीरेन्द्र शास्त्री शनिवार को यहां सेक्टर-43 के एक ग्रुप के निमंत्रण पर गुरुग्राम पहुंचे। उन्होंने हनुमान मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में हिस्सा लिया। धीरेंद्र शास्त्री के पहुंचने पर पूरा पंडाल जय श्रीराम के नारों से गूंज उठा। शास्त्री जेहादियों पर जमकर गरजे। धीरेंद्र शास्त्री ने पहलगाम में हुई आतंकी घटना की निंदा करते हुए कहा कि वहां आतंकियों ने जाति या राज्यों के नाम पूछकर नहीं, बल्कि धर्म पूछकर गोली मारी है। शास्त्री ने कहा कि अब समय आ गया है, हमें क्षेत्र और भाषा के हिसाब से बंटना नहीं बल्कि एकजुट होना है। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि पहलगाम की घटना से कुछ लोगों को मजा आ रहा है। अंदर ही अंदर खुश है। उन्होंने कहा, मैंने प्रण ले लिया है कि हिंदुओं को एकजुट करने के लिए देश के कोने-कोने में पदयात्रा निकालूंगा। उन्होंने हिंदू युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि शास्त्रों के साथ-साथ आत्मरक्षा के लिए शस्त्रों का भी ट्रेनिंग लें। शास्त्री ने कहा कि जब वे 12 बच्चे पैदा कर सकते हैं तो हिंदु भी चार बच्चे पैदा करें, दो बच्चे परिवार और व्यापार लिए तथा दो बच्चे हिंदू राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए। धीरेन्द्र शास्त्री ने मौजूद लोगों से वादा मांगते हुए कहा कि तुम मेरा साथ दो, मैं तुम्हें हिंदू राष्ट्र दूंगा। धीरेंद्र शास्त्री ने सभी लोगों से एकजुट होने का वादा भी मांगा। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि मेरे हिन्दुओं, तुम लोगों ने पहलगाम में तो देख ही लिया है। उन्होंने तुम्हारी जाति नहीं पूछी, सिर्फ यह पूछा मुसलमान हो तो कलमा पढ़ो। ना कहने पर गोली मार दी। शास्त्री ने कहा कि हम बस यही कहेंगे, हिंदू एक रहेगा तो कोई भी उसका बाल बांका नहीं कर सकेगा। शास्त्री ने आगे कहा कि हम पदयात्रा में चिल्लाते रहे, लोग मजाक उड़ाते रहे। वे भेदभाव मिटाने और जात-पात मिटाने निकले हैं। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि हिंदुओं अभी भी तुम क्षेत्रवाद और जातिवाद में बंटे रहोगे तो एक दिन ऐसा आएगा कि तुम्हारी दिल्ली में तुम लोगों को मारा जाएगा। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि हम तो चाहते हैं कि भारत एक हिंदू राष्ट्र बने। हिंदू राष्ट्र बनेगा तो गैर भी आने से पहले विचार करेगा। उन्होंने कहा कि 80 प्रतिशत आबादी हिंदू है और हिंदू होना गुनाह है। यह कैसा दुर्भाग्य है। शास्त्री ने ललकारते हुए कहा कि हिंदुओं तुम एकजुट नहीं हो, तुम बंटे हुए हो और डरपोक हो। क्योंकि तुमने शास्त्र और शस्त्र दोनों ही छोड़ दिए। उन्होंने कहा कि हिंदुओं जिस दिन तुम शास्त्र और शस्त्र लेकर चलोगे, उस दिन तुम्हारा कोई बाल बांका नहीं कर सकेगा।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर सफाई करते समय पिकअप ने मारी टक्कर, 6 कर्मचारियों की मौत, 5 घायल

एजेंसी

नूंह । हरियाणा के मेवात जिले में स्थित दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर शनिवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया। थाना फिरोजपुर झिरका सीमा के अंतर्गत इब्राहिमबास गांव के पास यह दर्दनाक हादसा उस समय हुआ जब सफाई कार्य में लगे करीब 11 कर्मचारी एक्सप्रेसवे की साफ-सफाई कर रहे थे। सुबह करीब 10 बजे एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने अचानक आकर सफाई कर्मचारियों को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे मौके पर ही 6 कर्मचारियों की मौत हो गई और 5 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग घटनास्थल पर पहुंचे और पुलिस को सूचित किया। उन्होंने घायलों को अस्पताल पहुंचाने में भी मदद की। घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां दो की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कई कर्मचारी दूर तक उछलकर जा गिरे और घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। सड़क पर खून के निशान और क्षत-विक्षत शवों को देख लोग स्तब्ध रह गए। पुलिस, एंबुलेंस और सड़क सुरक्षा एजेंसियों की टीमें मौके पर पहुंचीं और तुरंत राहत कार्य शुरू किया गया। हादसे के बाद एक्सप्रेसवे पर जाम लग गया, जिसे नियंत्रित करने के लिए पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। प्रशासन ने तुरंत ट्रैफिक डायवर्ट कर यातायात सामान्य करने की कोशिश की। पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाने के साथ ही घटना की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि हादसे में मारे गए कर्मचारियों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। सीसीटीवी फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों के आधार पर पिकअप वाहन के चालक की तलाश और घटना की जांच की जा रही है। चालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है घटना की जांच के बाद ही मामले में आगे कुछ कहा जा सकता है। फिलहाल पुलिस घटना की हर एंगल से जांच कर रही है। इससे पहले भी दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर लापरवाही और तेज रफ्तार के चलते कई हादसे हो चुके हैं।

'नेशनल गवर्नमेंट क्लाउड' में तकनीकी गड़बड़ी से प्रभावित आईटी सेवाएं हो रहीं बहाल: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को कहा कि नेशनल गवर्नमेंट क्लाउड (एनजीसी) में तकनीकी गड़बड़ी आने के कारण कई सूचना संचार प्रौद्योगिकी आधारित सेवाएं प्रभावित हुई हैं। कोर्ट ने यह भी बताया कि प्रभावित सेवाओं को बहाल करने का काम जारी है। एक नोटिस के जरिए बताया गया कि रजिस्ट्री से जुड़ी विभिन्न सूचना संचार प्रौद्योगिकी आधारित सेवाएं एनजीसी में तकनीकी गड़बड़ी के कारण प्रभावित रहीं। सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस में बताया, सुबह से ही नेशनल गवर्नमेंट क्लाउड (एनजीसी) में तकनीकी गड़बड़ी के कारण रजिस्ट्री द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न सूचना संचार प्रौद्योगिकी-आधारित सेवाएं, जैसे वेबसाइट, ई-फाइलिंग, एससीआर और डिजीएससीआर पोर्टल पर प्रतिकूल असर पड़ा है। ने आगे कहा कि सभी संबंधित टीम सेवाओं की शीघ्र बहाली पर काम कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने आगे कहा, ÷आपको हुई किसी भी असुविधा के लिए हमें खेद है। हम आपके धैर्य, समझ और सहयोग की सराहना करते हैं।

नेशनल गवर्नमेंट क्लाउड एक यूनिक क्लाउड सर्विस है। यह सर्विस एनआईसी के तहत विभिन्न सरकारी परियोजनाओं को दी जा रही है। यह संगठनों को सिंगल एंड यूज पोर्टल का इस्तेमाल कर कई निजी और सार्वजनिक क्लाउड सेवाओं को चुनने की अनुमति देता है। नेशनल गवर्नमेंट क्लाउड, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) द्वारा संचालित एक सुरक्षित डेटा सेंटर में कंप्यूट, स्टोरेज, डेटाबेस और नेटवर्क जैसी विभिन्न ऑन-प्रिमाइस सेवाएं प्रदान करता है।सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री अपने डिजिटलीकरण और डिजिटल संरक्षण प्रयासों के के रूप में क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर का इस्तेमाल करती है। इसमें नेशनल ज्यूडिशियल डेटा ग्रिड (एनजेडीजी) शामिल है। राष्ट्रीय न्यायिक डेटा ग्रिड (एनजेडीजी) एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म है, जो भारत में जिला और अधीनस्थ न्यायालयों और उच्च न्यायालयों के आदेशों, निर्णयों और मामले की डिटेल्स का डेटाबेस प्रदान करता है। एनजेडीजी ई-कोर्ट परियोजना के तहत बनाया गया है और देश के सभी कंप्यूटराइज्ड न्यायालयों की न्यायिक कार्यवाही से जुड़ा डेटा प्रदान करता है। इसके अलावा, ई-कोर्ट सर्विस केस से जुड़ी जानकारियों और दूसरे संसाधनों तक ऑनलाइन पहुंच को सुनिश्चित करती है। केस रिकॉर्ड और कोर्ट के आदेशों को डिजिटल बनाने में भी रजिस्ट्री सक्रिय रूप से शामिल है, जिससे उन्हें विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से सुलभ बनाया जा सके।

तीन और आतंकियों के घर ध्वस्त किए गए

एजेंसी

श्रीनगर। दक्षिण कश्मीर में तीन और आतंकवादियों के घरों को विस्फोटकों का उपयोग करके ध्वस्त कर दिया गया है। अधिकारियों ने आज यहां बताया कि कल रात पुलवामा जिले के मुरान में एहसान उल हक, चोटीपोरा शोपियां के शाहिद अहमद कुटाय और मतलहामा कुलगाम के जाकिर अहमद नामक आतंकियों के घरों को विस्फोटकों से उड़ा दिया गया। इन आतंकियों के तार पहलगाम आतंकी हमलों से जुड़े हुए थे। उन्होंने कहा, इससे पहले 24 और 25 अप्रैल की दरम्यानी रात पहलगाम आतंकी हमले में शामिल होने के संदेह में लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकवादियों के घरों को दक्षिण कश्मीर में विस्फोटकों का उपयोग करके ध्वस्त' कर दिया गया था।

प्रधानमंत्री मोदी ने 51 हजार से अधिक युवाओं को बांटे नियुक्ति पत्र

बोले- आपके हाथों में देश का भविष्य

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 'रोजगार मेला' के तहत 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति-पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने युवाओं को संबोधित करते हुए युवा शक्ति की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारत का युवा आज अपने परिश्रम और इनोवेशन से दुनिया को ये दिखा रहा है कि हममें कितना सामर्थ्य है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में 51 हजार से अधिक युवाओं को पक्की सरकारी नौकरी के पत्र दिए गए हैं। आज भारत सरकार के अलग-अलग विभागों में युवाओं के नए दायित्वों की शुरुआत हुई है। आपका दायित्व देश के आर्थिक तंत्र को मजबूत करना है, आपका दायित्व देश की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करना है, आपका दायित्व देश में आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण का है, आपका दायित्व श्रमिकों के जीवन में मूलभूत बदलाव लाने का है। उन्होंने कहा कि जब युवा राष्ट्र के निर्माण में भागीदार होते हैं, तो राष्ट्र तेज विकास भी करता है और विश्व में अपनी पहचान भी बनाता है। भारत का युवा आज अपने परिश्रम और इनोवेशन से दुनिया को यह दिखा रहा है कि हममें कितना सामर्थ्य है। हमारी सरकार हर कदम पर यह सुनिश्चित कर रही है कि देश के युवाओं के लिए रोजगार-स्वरोजगार के अवसर बढ़ें। आज का यह समय भारत के युवाओं के लिए अभूतपूर्व अवसरों का समय है। आईएमएफ ने हाल ही में कहा है कि भारत, दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा। पीएम मोदी ने कहा कि इस बजट में सरकार ने मैन्युफैक्चरिंग मिशन की घोषणा की है। इसका उद्देश्य है- 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा देना और भारत के युवाओं को ग्लोबल स्टैंडर्ड वाले प्रोडक्ट बनाने का मौका देना। इससे न केवल देश की लाखों एमएसएमई को, हमारे लघु उद्यमियों को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि पूरे देश में रोजगार के नए अवसर भी खुलेंगे। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि देश में युवाओं के लिए नए-नए अवसर बन रहे हैं। कुछ ही दिन बाद विश्व दृश्य-श्रव्य एवं मनोरंजन शिखर सम्मेलन (वेव्स) 2025 का आयोजन होने जा रहा है

पाक सैन्य चौकियों से की गई फायरिंग, सेना ने दिया सख्त जवाब

एजेंसी

नई दिल्ली । पहलगाम में हुई आतंकवादी वारदात के बाद पाकिस्तान नियंत्रण रेखा पर गोलीबारी कर रहा है। बीते दो दिनों से पाकिस्तान की ओर से गोलीबारी की घटनाएं सामने आई हैं। पाकिस्तानी सैन्य चौकियों से की गई इस फायरिंग का भारत की सेना ने सख्त जवाब दिया है। सेना ने इस मामले में बताया कि 25-26 अप्रैल की रात को कश्मीर में नियंत्रण रेखा के पार पाकिस्तानी सेना की विभिन्न चौकियों से फायरिंग की गई। यह फायरिंग बिना किसी उकसावे के छोटे हथियारों से की गई। भारतीय सैनिकों ने छोटे हथियारों से इस गोलीबारी का उचित जवाब दिया। सेना के मुताबिक इस गोलीबारी में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। इससे पहले भी नियंत्रण रेखा पर गोलीबारी हुई थी। भी यह फायरिंग पाकिस्तान द्वारा शुरू की गई। भारतीय सेना ने इस गोलीबारी का माकूल जवाब दिया था। गौरतलब है कि भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी जम्मू-कश्मीर में पहुंचे थे। वह यहां सुरक्षा बलों की कार्रवाई व तैयारी का निरीक्षण करने आए हैं। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर आर्मी चीफ ने यहां वरिष्ठ सैन्य कमांडर्स के साथ मीटिंग की है। सेना प्रमुख ने यहां सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने 22 अप्रैल को पर्यटकों पर गोलियां बरसाई थीं।

अहमदाबाद और सूरत में घुसपैठियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

• 500 से अधिक हिरासत में

एजेंसी

अहमदाबाद/सूरत । गुजरात पुलिस ने घुसपैठियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई करते हुए अहमदाबाद और सूरत में 557 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया है। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने चंडोला क्षेत्र में 457 घुसपैठियों को पकड़ा, जबकि सूरत पुलिस ने विभिन्न इलाकों में 100 से अधिक बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया। इनके खिलाफ पूछताछ जारी है और जांच पूरी होने के बाद इन्हें डिपोर्ट किया जाएगा। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच के संयुक्त पुलिस आयुक्त शरद सिंघल ने बताया कि यह अभियान गृह राज्य मंत्री, डीजीपी और पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर चलाया गया। पहले की जांच में पकड़े गए 127 बांग्लादेशी नागरिकों में से 70 को डिपोर्ट किया जा चुका है। बताया कि चंडोला क्षेत्र में अवैध रूप से रह रहे घुसपैठियों की सूचना मिलने के बाद क्राइम ब्रांच ने महिला पुलिसकर्मियों की मदद से घेराबंदी कर यह कार्रवाई की। हिरासत में लिए गए लोगों के पास से फर्जी आधार कार्ड और अन्य पहचान पत्र बरामद हुए हैं। सिंघल ने इसे अवैध घुसपैठ के खिलाफ बड़ी सफलता बताया और कहा कि सभी आरोपियों को कानूनी प्रक्रिया के तहत उनके देश वापस भेजा जाएगा। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि ये दस्तावेज कैसे और किनके सहयोग से बनाए गए, साथ ही ये लोग भारत में कब और कैसे दाखिल हुए। वहीं, सूरत पुलिस ने उधना, कतारगाम, महीधरपूरा, पांडेसरा, सलाबतपुर और लिम्बायत जैसे इलाकों में सर्च ऑपरेशन चलाकर 100 से अधिक बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया। पुलिस ने कई टीमों का गठन कर इन क्षेत्रों में छापेमारी की। हिरासत में लिए गए लोग छोटे-मोटे काम कर रहे थे और उनके पास से बरामद दस्तावेजों की जांच की जा रही है। पुलिस को संदेह है कि इनमें से कई ने फर्जी तरीके से आधार कार्ड और अन्य पहचान पत्र बनवाए हैं।

राजस्थान में 500 पाक नागरिकों की पहचान : भारत सरकार के निर्देश पर जल्द भेजे जाएंगे पाकिस्तान

• अटारी बॉर्डर से शुरू हुई वापसी

एजेंसी

जयपुर। पुलवामा जैसे संवेदनशील हमलों के बाद देश की सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता बढ़ गई है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद केन्द्र सरकार ने सभी राज्यों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि उनके क्षेत्र में मौजूद पाकिस्तानी नागरिकों की तत्काल पहचान कर उन्हें भारत से बाहर भेजा जाए। इसी क्रम में राजस्थान में अब तक 500 पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान की जा चुकी है, जिन्हें 1 मई 2025 से पहले अटारी बॉर्डर के माध्यम से पाकिस्तान भेजने की तैयारी तेज कर दी गई है।

राजस्थान इंटेलिजेंस के डीजी संजय अग्रवाल ने बताया कि केन्द्र सरकार के आदेश के बाद राज्य में सभी जिला एसपी को आवश्यक निर्देश दे दिए गए हैं। राज्य इंटेलिजेंस विंग लगातार इन मामलों पर नजर रखे हुए है और जिला स्तर पर कार्यवाही शुरू कर दी गई है। अग्रवाल ने बताया कि कई पाक नागरिक स्वेच्छा से लौट भी चुके हैं, और जो बचे हैं, उन्हें जिला स्तर पर ट्रेस कर भेजने की कार्यवाही अंतिम चरण में है।

विभिन्न वीजा श्रेणियों में भारत में रह रहे थे पाक नागरिक

राजस्थान में मौजूद अधिकांश पाक नागरिक पर्यटक वीजा, धार्मिक वीजा, विद्यार्थी वीजा और मेडिकल वीजा पर भारत आए थे। गृह मंत्रालय ने साफ किया है कि वीजा की वैधता और उद्देश्य चाहे जो भी हो, सभी पाक नागरिकों को भारत छोड़ना होगा। इस संबंध में सभी राज्यों को निर्देश जारी हो चुके हैं कि वे वीजा सत्यापन के साथ-साथ पंजीकृत पाक नागरिकों की मौजूदा लोकेशन की पुष्टि करें।

एफआरआरओ कर रहा निगरानी और संपर्क

राजस्थान में जिन पाक नागरिकों ने स्त्रऋह में रजिस्ट्रेशन कराया हुआ है, उनसे सीधा संपर्क किया जा रहा है। एफआरआरओ ने उन्हें भारत छोड़ने की समयसीमा के बारे में सूचित किया है। इसके अलावा, जिन लोगों ने पंजीकरण नहीं कराया है या गुप्त रूप से रह रहे हैं, उनकी पहचान और तलाश में पुलिस जुटी हुई है।

26/11 हमले के आरोपी तहव्वुर राणा ने झाड़ा पल्ला, दोस्त डेविड हेडली पर फोड़ा ठीकरा

क्राइम ब्रांच अब राणा के दावों की पुष्टि करने की तैयारी में जुट गई है।

एजेंसी

नई दिल्ली। 26/11 आतंकी हमले के मास्टरमाइंड के रूप में जाना जाने वाले तहव्वुर हुसैन राणा ने मुंबई क्राइम ब्रांच की पूछताछ में चौंकाने वाला दावा किया। राणा ने 26/11 आतंकी हमले से अपना पल्ला पूरी तरह से झाड़ लिया है। अधिकारियों ने बताया कि खुद को इस हमले से पूरी तरह बेगुनाह बताते हुए राणा ने कहा कि उसे 26/11 हमले से कोई लेना-देना नहीं है। इस हमले के लिए उसने अपने बचपन के दोस्त डेविड कोलमैन हेडली को जिम्मेदार ठहराया है। राणा ने पूछताछ के दौरान यह भी कहा कि मुंबई हमले की साजिश में उसकी कोई भूमिका नहीं थी। इसमें डेविड हेडली का हाथ था। पूछताछ में राणा ने यह भी बताया कि वह दिल्ली और मुंबई के अलावा केरल भी गया था। जब अधिकारियों ने उससे केरल जाने की वजह पूछी, तो उसने बताया कि वह वहां अपने जानने वालों से मिलने गया था। राणा ने केरल में अपने परिचित व्यक्ति का नाम और पता भी एजेंसी को सौंपा है। इस जानकारी के बाद क्राइम ब्रांच अब राणा के दावों की पुष्टि करने की तैयारी में जुट गई है। संभावना जताई जा रही है कि जांच एजेंसी की एक टीम जल्द ही केरल रवाना हो सकती है, ताकि सच्चाई का पता लगाया जा सके। बता दें कि 26/11 मुंबई हमलों के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा को अमेरिका से प्रत्यर्पित कर भारत लाया गया है। राणा को लॉस एंजेल्स से एनआईए और राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) की टीमों के साथ एक विशेष विमान से भारत लाया गया। अमेरिका में राणा ने अपने प्रत्यर्पण को रोकने के लिए कई कानूनी कोशिश की, जिसमें अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में आपातकालीन याचिका भी शामिल थी। सभी याचिकाएं खारिज होने के बाद प्रत्यर्पण संभव हो सका। भारत के विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय ने अमेरिकी अधिकारियों के साथ मिलकर इस प्रक्रिया को पूरा किया। एनआईए ने राणा के प्रत्यर्पण के लिए वर्षों तक प्रयास किए।

प्रदेश में समयबद्ध तरीके से पूरे होंगे प्रोजेक्ट, योगी सरकार ने कसी कमर

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को 'उत्तम प्रदेश' बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार अब प्रदेश में सभी प्रस्तावित मार्गों-सेतुओं का शत-प्रतिशत निर्माण समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित करने का फ्रेमवर्क तैयार कर रही है। यह पहली बार है कि प्रदेश के सभी जिलों में जारी निर्माण व विकास कार्य की परियोजनाओं को पूर्ण करने के लिए वित्तीय वर्ष की शुरुआत में ही एक विस्तृत खाका तैयार किया जा रहा है। इसे पूरा करने की समयावधि, टेंडरिंग, कार्य आवंटन, प्रगति और पूर्ण होने की स्थिति संबंधी सभी आवश्यक पहलुओं का समयबद्ध तरीके से चिन्हांकन, मूल्यांकन और निस्तारीकरण सुनिश्चित होगा। लोकनिर्माण विभाग ने इस विषय में एक खाका तैयार किया है। इसमें प्रदेश के सभी जिलों व विधान सभाओं में जारी निर्माणाधीन व विकासशील प्रोजेक्ट्स के क्रमवार विवरण व कार्य पूर्ति की समयावधि का अंतिम प्रारूप 30 अप्रैल से पहले शासन को भेजा जाएगा। वहीं, विभाग की योजना है कि अगले वर्ष 20 अप्रैल तक इस कार्य को पूरा कर लिया जाएगा।

जींद में मुख्यमंत्री ने 'साइक्लोथॉन 2.0 ड्रग फ्री हरियाणा यात्रा' को दिखाई हरी झंडी

एजेंसी

जींद। हरियाणा को नशा मुक्त बनाने के लिए जींद में 'साइक्लोथॉन 2.0 ड्रग फ्री हरियाणा यात्रा' का शानदार आगाज हुआ। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर हजारों युवा और आम लोग शामिल हुए। यह यात्रा पूरे राज्य में नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने और हरियाणा को ड्रग फ्री बनाने के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निकाली गई। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने साइक्लोथॉन के उद्घाटन समारोह में कहा कि नशा समाज के लिए अभिशाप है और इसे जड़ से खत्म करने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे नशे से दूर रहें और दूसरों को भी इसके खिलाफ जागरूक करें। साइक्लोथॉन जैसे आयोजन नशे के खिलाफ एकजुटता का प्रतीक हैं और इससे समाज में सकारात्मक बदलाव आएगा। इस अवसर पर हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण मिड्ढा, कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी, स्थानीय विधायक और कई अन्य नेता मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में ड्रग फ्री हरियाणा के लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रतिबद्धता जताई। डॉ. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि युवा शक्ति इस अभियान की रीढ़ है और उनकी भागीदारी से हरियाणा नशा मुक्त बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा। साइक्लोथॉन 2.0 में शामिल युवाओं ने नशे के खिलाफ जागरूकता का संदेश दिया। यात्रा में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागियों ने नशा मुक्ति के नारे लगाए और पूरे उत्साह के साथ जींद की सड़कों पर साइकिल दौड़ाई। इस यात्रा का मकसद न केवल नशे के दुष्प्रभावों के बारे में लोगों को जागरूक करना है, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली को भी बढ़ावा देना है। आयोजकों ने बताया कि यह साइक्लोथॉन पूरे हरियाणा में विभिन्न शहरों और कस्बों से होकर गुजरेगी, ताकि नशा मुक्ति का संदेश हर कोने तक पहुंचे।

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर सरकार की ओर से नशा मुक्ति के लिए चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पुलिस और प्रशासन नशा तस्करी पर सख्ती से नकेल कस रहे हैं, जबकि जागरूकता अभियान समाज को नशे से मुक्त करने में मदद कर रहे हैं।

'सिंधु जल संधि' पर निर्णय, पानी को मोड़ेगा भारत

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत ने पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के साथ 'सिंधु जल संधि' को स्थगित कर दिया है। इस संबंध में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल के बीच करीब 45 मिनट की बैठक में चर्चा हुई। अमित शाह के आवास पर हुई बैठक में तात्कालिक, मध्यकालिक और दीर्घकालिक उपायों पर विचार किया गया। बैठक के बाद पाटिल ने मीडिया को बताया, मोदी सरकार द्वारा सिंधु जल संधि पर लिया गया ऐतिहासिक निर्णय पूर्णतः न्यायसंगत और राष्ट्रहित में है। हम ख्याल रखेंगे की पाकिस्तान में सिंधु नदी का एक बूंद पानी भी नहीं जाए। उन्होंने कहा कि तुरंत पानी साझा करने के सभी संभावित तरीकों पर कार्य शुरू होगा। जल्द ही नदियों की गाद निकालने का कार्य किया जाएगा, जिससे पानी रोका जाएगा और इसे मोड़ा जाएगा।

मुठभेड़ के बाद पुलिस ने कुख्यात वाहन चोर आमिर को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण जिला पुलिस ने कुख्यात वाहन चोर आमिर को साकेत इलाके में मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान आमिर को पकड़ने के लिए पुलिस ने उसके पैर में गोली मारी। फिलहाल, उसको इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शुरुआती जांच में पता चला है कि आमिर के विरुद्ध 27 मामले दर्ज है। पुलिस ने उसके पास से चोरी की कार व एक पिस्टल बरामद की है।पुलिस के अनुसार जिले की एएटीएस की टीम वाहन चोरी की घटनाओं की जांच कर रही थी। इसी क्रम में एएटीएस को सूचना मिली कि बुलंदशहर निवासी आमिर नामक कुख्यात वाहन चोर साकेत दिल्ली में सक्रिय है। इस दौरान पुलिस टीम को सूचना मिली कि आमिर वारदात के इरादे से साकेत इलाके में आने वाला है। सूचना को पुख्ता कर एएटीएस की टीम ने इलाके में ट्रैप लगाया। चोरी की कार में सवार होकर आए आमिर को पुलिस ने रोकने का प्रयास किया तो उसने पुलिस टीम पर गोली चलाई। पुलिस टीम ने भी जवाबी कार्रवाई में दो राउंड फायरिंग की, जिसमें एक गोली आरोपित के पैर में लगी। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। घायल को पुलिस ने तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। फिलहाल पुलिस आरोपित से पूछताछ कर उसके नेटवर्क की जांच कर रही है।

हथियार के साथ बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने नकुल सांगवान उर्फ दीपक गैंग के सक्रिय सदस्य सुधीर राणा को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के पास से .32 बोर की एक सेमी-ऑटोमैटिक पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस बरामद किया है। जांच में पता चला है कि पकड़ा गया आरोपित आदतन अपराधी है और उसके ऊपर दिल्ली/एनसीआर में हत्या के प्रयास, डकैती, चोट पहुंचाने, आपराधिक धमकी और आर्म्स एक्ट जैसे पांच मामलों में शामिल रहा है।स्पेशल सेल के डीसीपी मनोज सी ने बताया कि स्पेशल सेल की टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि नकुल सांगवान उर्फ दीपक गिरोह का एक सक्रिय सदस्य सुधीर राणा अपने साथियों से मिलने के लिए गुरुवार रात को लाडपुर गांव आने वाला है। सूचना को पुख्ता कर पुलिस टीमने इलाके में जाल बिछाया और आरोपित को गिरफ्तार किया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस बरामद हुआ। फिलहाल पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है।

हत्या व लूट के मामले में फरार आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने हत्या व लूटपाट के मामले में 16 साल से फरार चल रहे मुकेश उर्फ गुज्जर को गिरफ्तार किया है। जांच में पता चला है कि आरोपित हत्या, हत्या के प्रयास, हथियार लूट और डकैती सहित 19 जघन्य अपराधों में शामिल रहा है। फिलहाल पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। क्राइम ब्रांच के डीसीपी हर्ष इंदौरा ने बताया कि क्राइम ब्रांच वांछित बदमाशों की तलाश कर उन्हें पकड़ने का लगातार काम कर रही है। इसी क्रम मेंक्राइम ब्रांच की टीम को सूचना मिली कि हत्या व लूट के मामले में वर्ष 2009 से फरार आरोपित मुकेश रोहिणी इलाके में आने वाला है। सूचना को पुख्ता कर पुलिस टीम ने इलाके में जाल बिछाया और मुकेश को गिरफ्तार किया। जांच में पता चला है कि मुकेश ने आनंद पर्वत इलाके में 28 फरवरी 2002 को अपने साथियों संजीव वर्मा उर्फ संजू, राकेश और विजय उर्फ राजेश के साथ मिलकर मोहन लाल बंसल की कार को रोका और उनसे 25 लाख रुपये लूट लिए। घटना के कुछ दिनों बाद पुलिस ने सभी आरोपितों कोगिरफ्तार किया। वर्ष 2009 में आरोपित मुकेश पैराल लेकर फरार हो गया। जांच में पता चला कि पकड़ा गया आरोपित मुकेश उर्फ गुज्जर उर्फ हेमू उप्र का रहने वाला है। वह बहुत कम उम्र में अपने माता-पिता के साथ दिल्ली आ गया था। उसने 9वीं कक्षा तक पढ़ाई की है।

मुर्शिदाबाद हिंसा के बाद पश्चिम बंगाल पुलिस से उठा लोगों का भरोसा: राष्ट्रीय महिला आयोग

एजेंसी
नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग ने हाल ही में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद और मालदा जिलों में बड़े पैमाने पर हुई सांप्रदायिक हिंसा पर गहरी चिंता और पीड़ा व्यक्त की है। अध्यक्ष विजया रहाटकर के नेतृत्व में चार सदस्यीय जांच समिति ने पिछले सप्ताह प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने मुर्शिदाबाद की पीड़ित महिलाओं और लड़कियों से मुलाकात की और उनके ऊपर हुए अत्याचार की रिपोर्ट तैयार की।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इस हिंसा के बाद से पश्चिम बंगाल पुलिस से लोगों का भरोसा उठ गया है। आयोग ने जारी रिपोर्ट में बताया कि पीड़ितों को उनके घरों से घसीटा गया, क्रूरता से हमला किया गया और कुछ मामलों में उन्हें अपनी बेटियों को दुष्कर्म के लिए भेजने के लिए कहा गया। आयोग ने कहा कि इन महिलाओं पर जो आघात पहुंचा है, वह गंभीर है और इसका असर मनोवैज्ञानिक, भावनात्मक और शारीरिक रूप से लंबे समय तक रहने

वाला है। जबरन विस्थापन ने इन महिलाओं को और भी असुरक्षित स्थिति में धकेल दिया है, जिससे उनके बुनियादी मानवाधिकारों और सम्मान का हनन हुआ है। आयोग ने बताया कि मुर्शिदाबाद में प्रशासनिक मशीनरी और शासन पूरी तरह से विफल रही हैं। पूर्व खुफिया जानकारी और क्षेत्र में स्पष्ट तनाव के बावजूद राज्य सरकार इसे रोकने में विफल रही है। मूकदर्शक बनी रही। हिंसा जानबूझकर और पूर्व नियोजित प्रतीत होती है, जिसमें कई पीड़ितों ने आरोप लगाया कि भूमि और संपत्ति हड़पने के स्पष्ट प्रयास में हिंदुओं के घरों और व्यवसायों को चुनिंदा रूप से निशाना बनाया गया। आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने पीड़ितों की मदद के लिए की गई कॉल को या तो नज़रअंदाज़ किया या धीमी और अप्रभावी तरीके से जवाब दिया। अविश्वास इस धारणा से और बढ़ गया है कि पुलिस दंगाइयों के प्रति नरम थी, जो शांति बनाए रखने की प्रतिबद्धता के बजाय राजनीतिक एजेंडे में बदल गई। पीड़ितों को भोजन, कपड़े, पेयजल, स्वच्छता और चिकित्सा सहायता जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव रहा। राज्य सरकार न्यूनतम राहत भी प्रदान करने में विफल रही है, जिससे पहले से ही सदमे में आए परिवार निरंतर संकट और अनिश्चितता की स्थिति में हैं।

देश में गर्मी का सितम जारी, ब्रह्मपुरी (विदर्भ) में पारा 45.5 डिग्री के पार

एजेंसी
नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी का सितम जारी है। ब्रह्मपुरी (विदर्भ) में सबसे अधिक अधिकतम तापमान 45.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार जम्मू, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, पूर्वोत्तर और पश्चिमी राजस्थान, उत्तरी मध्य प्रदेश, विदर्भ, समीपवर्ती मराठवाड़ा, पूर्वोत्तर झारखंड, पश्चिमी गंगा के तटीय क्षेत्र, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कई स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से 3-5 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया। विदर्भ में कुछ स्थानों पर लू की स्थिति बनी हुई है। उत्तर प्रदेश, चंडीगढ़ और दिल्ली में भी कुछ स्थानों पर लू चली है। मौसम विभाग के अनुसार अगले तीन दिनों तक गर्मी का सितम इसी तरह जारी रहेगा। दिल्ली का अधिकतम तापमान 41.9 दर्ज किया और न्यूनतम तापमान 23.6 डिग्री दर्ज किया गया। शनिवार को दिल्ली में आंशिक रूप से बादल के साथ 30 किमी प्रति घंटा रफ्तार से हवाए चल सकती है। दिल्ली के कुछ स्थानों पर हीट वेव की संभावना है। दिल्ली का अधिकतम तापमान 41 से 43एष्ट और न्यूनतम तापमान 23 से 25एष्ट

के बीच रहने की संभावना है। इसी तरह रविवार को भी कमोवेश ऐसी ही स्थिति बनी रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार अरुणाचल प्रदेश, उत्तर-पूर्व असम, निकोबार द्वीप समूह में अधिकतम तापमान 3-5 डिग्री सेल्सियस बढ़ा है। उत्तर-पश्चिम भारत, उत्तर मध्य प्रदेश के कई हिस्सों में 1-2 डिग्री सेल्सियस बढ़ा है और देश के बाकी हिस्सों में कोई खास बदलाव नहीं हुआ है।

जुमे के खुत्बे में शाही इमाम बुखारी ने पहलगाम की आतंकी घटना को शर्मनाक बताया

एजेंसी
नई दिल्ल्सी। जम्मू एवं कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की चौतरफा निंदा की जी रही है। इसी संदर्भ में दिल्ली की जामा मस्जिद के शाही इमाम सैयद अहमद बुखारी ने जुमे की नमाज के खुत्बे में कहा कि एक निर्दोष की हत्या ईश्वरीय प्रकोप को दावत देती है। इस संबंध में उन्होंने कुरान की एक आयत का भी उल्लेख किया जिसमें कहा गया है कि किसी एक निर्दोष व्यक्ति की हत्या पूरी मानवता की हत्या है और किसी एक व्यक्ति की रक्षा पूरी मानवता की रक्षा है। उन्होंने कहा कि जिन आतंकवादियों ने यह जघन्य कृत्य किया है, उन्होंने पूरी मानवता को शर्मसार किया और इस्लामिक सिद्धांतों की पूरी अवहेलना की है। इसका किसी भी इस्लामी विचारधारा से कोई लेना-देना नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि भारत की अनेकता में एकता और वैभवशाली संस्कृति की जड़ें इतनी गहरी हैं कि वह समाज में विभाजन

पैदा करने वाली किसी भी तरह की विचारधारा का डट कर मुकाबला कर सकती है। उन्होंने कहा कि इस वक्त पूरी दुनिया हिंसा की लपेट में है, लेकिन यह समय मानवता को जोड़ने का भी है। हिंदू-मुस्लिम में भेद को भी खत्म करना होगा। इसके लिए हमें देश की एकता और अखंडता बनाए रखने के लिए मजबूत चट्टान की तरह खड़ा रहना पड़ेगा। भारत का एकता और अखंडता पर जब भी कोई खतरा मंडलाएगा, भारतीय समाज सारी नफरतें मिटा कर एकजुटता के साथ देश की रक्षा के लिए खड़ा होगा। हमारा देश पूरे विश्व में एक विशेष स्थान रखता है, यहां विभिन्न समुदाय एकसाथ मिलजुल कर रहते हैं और अपनी परंपराओं का पालन भी करते हैं। हमारी हजारों साल पुरानी संस्कृति और दर्शन सामाजिक समरसता का परिचायक है। शाही इमाम ने अपने इस जुमा के खुत्बे में इस आतंकी घटना में हताहत हुए लोगों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की और सभी मृतकों की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। उन्होंने भारत और समूचे विश्व के लिए शांति, सद्भाव और भाईचारे की कामना की।

राहुल गांधी ने दिल्ली में निकाला कैंडललाइट मार्च, आतंकवादी हमले के पीड़ितों के प्रति जताई एकजुटता

एजेंसी
नई दिल्ली। विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में आज नई दिल्ली में एक कैंडललाइट मार्च निकाला गया। इसमें उन्होंने दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में हुए क्रूर आतंकवादी हमले के निर्दोष पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति अपनी एकजुटता जताई। यह मार्च पार्टी मुख्यालय से महात्मा गांधी स्मृति तक निकाला गया। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी।वेणुगोपाल ने पोस्ट में आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस ने इस शांति मार्च में हस्तक्षेप किया, जिससे स्थल पर पूरी तरह से अराजकता और भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो गई। उन्होंने कहा, दिल्ली पुलिस का यह व्यवहार भाजपा की एकता और एकजुटता के प्रति खोखली प्रतिबद्धता को उजागर करता है। गांधी ने आज जम्मू-

कश्मीर का भी दौरा किया था। यहां उन्होंने स्थानीय लोगों से मुलाकात की और क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति पर चर्चा की। राहुल गांधी ने अपने बयान में कहा था कि हम सभी पीड़ितों के परिवारों के साथ खड़े हैं। यह समय एकजुटता का है, न कि विभाजन का। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस पार्टी ने आज देशभर में अलग-अलग स्थानों पर पहलगाम हमले के विरोध में मार्च निकाला है।

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन: शहरी नदी पुनरुद्धार को मजबूत करने के लिए कार्य योजना 2025 को मंजूरी

एजेंसी
नई दिल्ली। शहरी नदियों के सतत पुनरुद्धार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) ने रिवर सिटी एलायंस (आरसीए) के लिए एक वार्षिक योजना को मंजूरी दी है। इसमें पूरे साल चलने वाली पहलों के लिए एक रोडमैप तैयार किया गया है। इस योजना में क्षमता निर्माण कार्यक्रमों, ज्ञान आदान-प्रदान मंचों, तकनीकी उपकरणों के विकास, विशेषज्ञ मार्गदर्शन और विषयगत केस स्टडी की एक श्रृंखला शामिल है, जो देश के शहरों में नदी-संवेदनशील शहरी नियोजन को एकीकृत करने पर केंद्रित है। वर्ष 2021 में शुरू किया गया रिवर सिटी एलायंस जल शक्ति मंत्रालय और आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय की एक अग्रणी पहल है। रिवर सिटी एलायंस 145 शहरों की वर्तमान सदस्यता के साथ शहरी नदी प्रबंधन के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण को बढ़ावा देता है, संस्थागत क्षमता को मजबूत करता है, नदी घाटियों के भीतर इंटर सिटी सहयोग को बढ़ावा देता है और शहरी नदी प्रबंधन योजनाओं (यूआरएमपी) के निर्माण का समर्थन करता है। इस वर्ष की स्वीकृत योजना रणनीतिक हस्तक्षेपों के साथ योजनाओं के लक्ष्यों को क्रियान्वित करने के लिए तैयार की गई है। इस वर्ष राज्यों में रिवर सेन्सिटिव मास्टर प्लानिंग (आरएसएमपी) प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन के माध्यम से नदी संबंधी विचारों को बढ़ावा देने पर ध्यान केन्द्रित किया जाएगा। शहरी नदी प्रबंधन योजनाओं (यूआरएमपी) के निर्माण का समर्थन करने के लिए, एनएमसीजी तमिलनाडु में आरसीए शहरों के लिए विशेष रूप से ऑनबोर्डिंग कार्यक्रमों सहित प्रशिक्षण सत्र आयोजित करेगा, साथ ही अन्य राज्यों के लिए भी आगे के सत्रों की योजना बनाई गई है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन अफेयर्स (एनआईयूए) और राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन ने नदियों के शहरी प्रबंधन में पर्यावरणीय, आर्थिक और सामाजिक आयामों पर विचार करने के लिए वर्ष 2020 में अर्बन रिवर मास्टर प्लान की शुरुआत की थी। कानपुर, अयोध्या, छत्रपति संभाजी नगर, मुरादाबाद और बरेली ने अपने अर्बन रिवर मास्टर प्लान विकसित कर लिए हैं। छत्रपति संभाजी नगर के खाम नदी पुनरुद्धार मिशन को विश्व संसाधन संस्थान के रॉस सेंटर पुरस्कार फॉर सिटीज द्वारा वैश्विक रूप से मान्यता दी गई थी, जो इस पहल की परिवर्तनकारी क्षमता को रेखांकित करता है। आगामी वर्ष में 25 और अर्बन रिवर मास्टर प्लान का विकास किया जाएगा जो अगले दो से तीन वर्षों में पूरे देश में 60 ऐसी योजनाएं बनाने के लिए एक बड़े मिशन के पहले चरण का हिस्सा होगा। विश्व बैंक द्वारा समर्थित यह पहल रिवर सेन्सिटिव शहरी शासन को मजबूत करने की दिशा में एक साहसिक कदम है। योजना निर्माण और कार्यान्वयन को मार्गदर्शन देने के लिए उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में संचालन समितियों का गठन किया जा चुका है।

सराय रोहिल्ला में ट्रेन के इंजन से टकराया ट्रक

एजेंसी
नई दिल्ली । सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन की वाशिंग लाइन के पास एक ट्रक ट्रेन से टकरा गया। राहत की बात यह रही है कि दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। रेलवे की टीम ने पहुंचकर ट्रेन के इंजन में फंसे ट्रक के टायर को हटा दिया। फिलहाल रेलवे पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।रेलवे डीसीपी केपीएस मल्होत्रा ने बताया कि पूर्वाह्न करीब 11.37 बजे सूचना मिली कि दिल्ली सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन की वाशिंग लाइन के पास एक ट्रक ने ट्रेन में टक्कर मार दी है। रेलवे पुलिस मौके पर

पहुंची तो जांच में पता चला है कि हरियाणा नंबर के ट्रक ने ट्रेन संख्या 12259 बीकानेर सियालदाह दुरंतो एक्सप्रेस के इंजन में टक्कर मारी है। घटना के वक्त ट्रेन किशनगंज स्टेशन की ओर से धीमी गति से आ रही थी। डीसीपी के अनुसार घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कृषि क्षेत्र में साक्ष्य आधारित नीति निर्माण की आवश्यकता: डॉ. एमएल जाट

एजेंसी
नई दिल्ली। राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी (एनएएएस) और ट्रस्ट फॉर एडवांसमेंट ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज (टीएएएस) ने आज नई दिल्ली में दो प्रख्यात कृषि वैज्ञानिकों डॉ. हिमांशु पाठक और डॉ. एमएल जाट को उनके संबंधित संस्थानों में प्रतिष्ठित नेतृत्व भूमिकाओं में उनकी नियुक्ति पर सम्मानित करने के लिए एक संवादात्मक बैठक और सम्मान समारोह का आयोजन किया। डॉ. पाठक आईसीआरआईएसएटी के महानिदेशक और डॉ. एमएल जाट कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग (डीएआरई) के सचिव और आईसीएआर के महानिदेशक हैं। इस अवसर पर टीएएएस और एनएएएस के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया गया, जिसका उद्देश्य कृषि विज्ञान, अनुसंधान और नीति विकास में सहयोगी पहलों को बढ़ाना है। कार्यक्रम के दौरान डॉ. जाट ने कृषि बिरादरी से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अमृत काल के सपने को साकार करने के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने कृषि में विज्ञान और साक्ष्य आधारित नीति निर्माण की

तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया और किसानों के चेहरों पर मुस्कान लाने के साथ ही किसानों के लिए स्थायी आजीविका बनाने के महत्व को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि किसानों के चेहरों पर मुस्कान लाने और अपने लक्ष्यों को हमारे राष्ट्र के लक्ष्यों के साथ जोड़ने के लिए यह साझा सहयोगी मिशन का समय है। उन्होंने कहा कि हमें वैश्विक मेगाट्रेंड के संदर्भ में उभरती कृषि मांगों का अध्ययन करना चाहिए। आंतरिक प्रणालियों और बाहरी क्षमताओं दोनों को मजबूत करना और उनका तालमेल सुनिश्चित करना एक लचीला कृषि पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की कुंजी है। उन्होंने भारतीय कृषि की विविधता से उत्पन्न चुनौतियों और उन्हें संबोधित करने के लिए सुनियोजित, एकीकृत दृष्टिकोण की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। डॉ. पाठक ने सामाजिक परिवर्तन में विज्ञान की महत्वपूर्ण भूमिका पर बात की। उन्होंने जोर दिया कि हर समाज को वैज्ञानिक सोच को अपनाना और बढ़ावा देना चाहिए।

केंद्र सरकार 'मेडिकल वैल्यू ट्रैवल' के लिए पेश करेगी डिजिटल पोर्टल:आयुष राज्य मंत्री

एजेंसी
नई दिल्ली । आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि केंद्र सरकार एक ऑनलाइन पोर्टल पर काम कर रही है, जिसका उद्देश्य वैश्विक स्वास्थ्य सेवा गंतव्य के रूप में देश की स्थिति को मजबूत करना है।राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि नया डिजिटल प्लेटफॉर्म अस्पताल, सुविधा प्रदाता, ट्रैवल एजेंट, होटल, ट्रांसलेटर और दूसरी सपोर्ट सुविधाओं को एक ही प्लेस पर इंटीग्रेट करेगा। उन्होंने फिक्की के 'मेडिकल वैल्यू ट्रैवल' (एमवीटी) कॉन्फ्रेंस में अपने संबोधन में कहा, 'हमारा लक्ष्य ट्रीटमेंट से लेकर यात्रा व्यवस्था तक और उपचार के बाद की देखभाल को लेकर रोगी के अनुभव को बेहतर बनाना है।' सरकार की रणनीति में हेल्थकेयर इकोसिस्टम को प्रमुख शहरों से आगे बढ़कर टियर-2 और टियर-3 क्षेत्रों तक बढ़ाना भी शामिल है। इसके अलावा, सरकार 'मेडिकल वैल्यू ट्रैवल' प्रॉसेस को बेहतर बनाने के लिए प्राइवेट प्लेयर्स के साथ अपने सहयोग को मजबूत करना चाहती है। मेडिकल वैल्यू ट्रैवल को मेडिकल टूरिज्म भी कहा जाता है, इसमें उन रोगियों को शामिल किया जाता है जो किसी हेल्थकेयर सर्विस के लिए विदेश यात्रा करते हैं। नीति आयोग के सदस्य प्रोफेसर विनोद के. पॉल ने अपने भाषण में इस क्षेत्र में विनियमन के महत्व पर बात की। उन्होंने उद्योग जगत के खिलाड़ियों से स्वास्थ्य सेवा सुविधाओं के लिए अनुपालन बोझ को कम करने के तरीकों पर सुझाव देने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा,'मेडिकल वैल्यू ट्रैवल के विकास में वीजा सुविधा महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जो अलग-अलग देशों के बीच पारदर्शिता और विश्वास निर्माण की जरूरत को उजागर करती है।' टेलीमेडिसिन को लेकर पॉल ने कहा कि दूसरे देशों में रोगियों को दूर से सलाह देते समय कानूनी चुनौतियां पैदा होती हैं।

दिल्लीवासियों को बेहतर सुविधाएं मुहैया करवाने के लिए प्रतिबद्ध- राजा इकबाल सिंह

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली के नवनिर्वाचित महापौर राजा इकबाल सिंह ने कहा है कि नगर निगम में भाजपा की सरकार दिल्लीवासियों को बेहतर नागरिक सुविधाएं मुहैया करवाने के लिए प्रतिबद्ध है।

के बाद सभी का आभार व्यक्त करते हुए इकबाल ने कहा कि शहर में स्वच्छता, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं की दिशा में योजनाबद्ध रूप से सकारात्मक कार्य किये जायेंगे। कूड़े के पहाड़, जलभराव की समस्या के समाधान की तरफ विशेष ध्यान दिया जायेगा। गत वर्षों में विकास की गति धीमी हो गयी थी, उसको गति दी जायेगी और जनता के हित में बिना भेदभाव के कार्य किया जायेगा। इकबाल ने कहा कि दिल्ली नगर निगम के अधीन आने वाली सड़कों, पार्कों, और अन्य सार्वजनिक बुनियादी ढाँचे को लेकर योजना बनायी जाएगी और उनको लागू करने के लिए सभी के साथ मिलकर कार्य किया जाएगा। हम काम करने में विश्वास करते है और काम करके दिखाएंगे और इसके लिए सभी का

सहयोग अपेक्षित है। दूसरी ओर उपमहापौर के पद पर निर्वाचित भाजपा के जय भगवान यादव ने जनहित में कार्य करने का भरोसा दिलाया। उल्लेखनीय है कि दिल्ली नगर निगम में आम आदमी पार्टी ने महापौर और उपमहापौर पद के चुनाव का बहिष्कार किया और चुनाव में भाग नहीं लिया। वहीं अंतिम समय में कांग्रेस की उपमहापौर पद की उम्मीदवार अरीबा खान ने नामांकन वापस ले लिया। केवल महापौर पद के लिए हुए मतदान में राजा इकबाल ने कांग्रेस के उम्मीदवार मनदीप सिंह को 125 वोटों से हराया। वहीं उपमहापौर के लिए जय भगवान यादव निर्विरोध निर्वाचित हुए।

दिल्ली से निकाले जाएंगे सभी पाकिस्तानी, सीएम ने केंद्र के फैसले को दोहराया

एजेंसी
नई दिल्ली। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद पूरे देश में आक्रोश है। आतंकवाद पोषित पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए केंद्र सरकार ने कई बड़े और कड़े फैसले लिए हैं, जिनमें भारत में मौजूद पाकिस्तानी नागरिकों को निकालना और नया वीजा नहीं जारी करना शामिल है। इस पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि केंद्र के फैसले का सख्ती से पालन किया जाएगा।

दरअसल, भारत सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों के सभी वीजा रद्द कर दिए हैं, जो 27 अप्रैल से प्रभावी होंगे। मेडिकल वीजा सिर्फ 29 अप्रैल तक वैध रहेंगे। कोई नया वीजा जारी नहीं किया जाएगा। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने 'एक्स' पर लिखा, 'दिल्ली सरकार इन आदेशों का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित कर रही है। उल्लंघन पर पूरी ईमानदारी से नजर रखी जा रही है और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सभी मुख्यमंत्रियों से बात करके पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजने का निर्देश दिया था। शाह ने सभी मुख्यमंत्रियों से बात की और अपने-अपने राज्यों में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान कर उन्हें तुरंत वापस पाकिस्तान भेजने के लिए ठोस कदम उठाने को कहा है। इसके साथ ही उन्होंने पाकिस्तानी नागरिकों के सभी वीजा रद्द करने के निर्देश भी जारी किए हैं। गृह मंत्रालय ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि पाकिस्तानी नागरिकों से संबंधित सभी वीजा तत्काल प्रभाव से रद्द किए जाएं। इसके साथ ही, सभी राज्य अपने क्षेत्र में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों को खोज-खोज कर उनकी वापसी सुनिश्चित करें। गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्रियों से कहा कि पाकिस्तान से आए सभी लोगों को जल्द से जल्द अपने-अपने राज्यों से हटाया जाए। इस मामले में किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने पर्यटकों पर गोलियां बरसाई थीं। इस हमले में 26 लोगों की मौत हुई और कई घायल हुए। इस हमले के बाद देशभर में रोष देखने को मिल रहा है। लोग केंद्र सरकार से सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

संपादक की कलम से

मानव की रचनात्मकता और नवाचार का आधार है बौद्धिक संपदा

बौद्धिक संपदा मानव बुद्धि की वह रचनात्मक शक्ति है जो विचारों, आविष्कारों, कला, साहित्य और तकनीकी नवाचारों के रूप में प्रकट होती है। यह न केवल रचनाकारों को उनकी रचनाओं के लिए मान्यता और आर्थिक लाभ प्रदान करती है, बल्कि समाज को प्रगति और विकास के नए रास्ते भी दिखाती है। बौद्धिक संपदा नवाचार का आधार है, क्योंकि यह रचनाकारों को उनकी मेहनत का फल प्राप्त करने का अवसर देती है और दूसरों को प्रेरित करती है कि वे भी कुछ नया और मूल सृजन करें।

बौद्धिक संपदा मानव मस्तिष्क की रचनात्मकता का वह परिणाम है जो कानूनी रूप से संरक्षित होता है। यह रचनाकार को अपनी रचना पर विशेष अधिकार प्रदान करता है, जिससे वह इसका उपयोग, वितरण और लाभ प्राप्त कर सकता है। जैसे पेटेंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क, डिजाइन और फामुर्ले को रजिस्टर्ड करवा कर अपनी बौद्धिक संपदा पर विशेष अधिकार प्राप्त किया जा सकता है।

बौद्धिक संपदा नवाचार का आधार है, क्योंकि यह रचनाकारों को प्रोत्साहन और संरक्षण प्रदान करती है। बौद्धिक संपदा रचनाकारों को उनकी रचनाओं के लिए आर्थिक और सामाजिक पुरस्कार प्रदान करती है। उदाहरण के लिए, एक वैज्ञानिक जो नई दवा का पेटेंट प्राप्त करता है, वह उसका व्यावसायिक उपयोग करके लाभ कमा सकता है। यह प्रोत्साहन दूसरों को भी नए विचारों पर काम करने के लिए प्रेरित करता है। बौद्धिक संपदा नवाचार में निवेश को आकर्षित करती है। कंपनियाँ और व्यक्ति अनुसंधान और विकास (फ&ऊ) में निवेश करने के लिए तैयार होते हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि उनकी रचनाएँ कानूनी रूप से संरक्षित होंगी। पेटेंट और कॉपीराइट जैसे तंत्र रचनाओं को सार्वजनिक करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। उदाहरण के लिए, पेटेंट आवेदन में आविष्कार का विवरण सार्वजनिक होता है, जिससे अन्य लोग उससे प्रेरणा ले सकते हैं। बौद्धिक संपदा कंपनियों को बेहतर उत्पाद और सेवाएँ विकसित करने के लिए प्रेरित करती है। ट्रेडमार्क और ब्रांड पहचान उपभोक्ताओं को गुणवत्ता का आश्वासन देती है, जिससे बाजार में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा होती है। कॉपीराइट के माध्यम से साहित्य, कला और संगीत को संरक्षित करके बौद्धिक संपदा सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखती है और नए रचनात्मक कार्यों को प्रोत्साहित करती है।

बौद्धिक संपदा आधुनिक अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। बौद्धिक संपदा आधारित उद्योग, जैसे प्रौद्योगिकी, फार्मास्यूटिकल्स, और मनोरंजन, लाखों लोगों को रोजगार प्रदान करते हैं। पेटेंट और ट्रेडमार्क द्वारा संरक्षित उत्पाद वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा करते हैं, जिससे निर्यात बढ़ता है। बौद्धिक संपदा नवाचार को बढ़ावा देकर अर्थव्यवस्था को ज्ञान-आधारित बनाती है, जो दीर्घकालिक विकास के लिए आवश्यक है। भारत में सूचना प्रौद्योगिकी (कळ) और फार्मास्यूटिकल्स जैसे क्षेत्र बौद्धिक संपदा के उपयोग के कारण वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन गए हैं। भारतीय कंपनियाँ पेटेंट और ट्रेडमार्क के माध्यम से अपनी पहचान स्थापित कर रही हैं।जो कि बौद्धिक संपदा का सटीक उदाहरण है।

हालांकि बौद्धिक संपदा नवाचार का आधार है, इसके उपयोग में कई चुनौतियाँ भी हैं। बौद्धिक संपदा का अनधिकृत उपयोग, जैसे कि सॉफ्टवेयर पायरेसी, नकली उत्पाद, और कॉपीराइट उल्लंघन, रचनाकारों को आर्थिक नुकसान पहुँचाता है। वैश्विक स्तर पर पायरेसी के कारण अरबों डॉलर का नुकसान होता है। दूसरों के विचारों को बिना श्रेय दिए उपयोग करना (प्लैजियारिज्म) नैतिकता के सवाल उठाता है। यह रचनात्मकता को हतोत्साहित कर सकता है। कुछ मामलों में, बौद्धिक संपदा का अति-संरक्षण नवाचार में बाधा बन सकता है। उदाहरण के लिए, यदि कोई पेटेंट बहुत व्यापक हो, तो अन्य लोग उस क्षेत्र में अनुसंधान करने से बच सकते हैं। विकसित देशों में कड़े बौद्धिक संपदा कानून विकासशील देशों के लिए दवाओं, प्रौद्योगिकी और शिक्षा तक पहुँच को सीमित कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, महँगी दवाओं के पेटेंट के कारण गरीब देशों में उपचार की उपलब्धता कम हो सकती है। बौद्धिक संपदा के उल्लंघन से निपटने के लिए कानूनी प्रक्रियाएँ महँगी और समय लेने वाली होती हैं, जो छोटे रचनाकारों के लिए चुनौतीपूर्ण है।

बौद्धिक संपदा का उपयोग करते समय कुछ उपाय अपनाए जाने चाहिए । व्यक्तियों और संगठनों को बौद्धिक संपदा के प्रकार और कानूनों के बारे में शिक्षित करना महत्वपूर्ण है। स्कूलों और विश्वविद्यालयों में इसके महत्व पर पाठ्यक्रम शामिल किए जा सकते हैं। दूसरों की रचनाओं का उपयोग करते समय अनुमति लेना और श्रेय देना नैतिकता का हिस्सा है। उदाहरण के लिए, किसी लेखक के उद्धरण का उपयोग करते समय उचित सन्दर्भ देना चाहिए। बौद्धिक संपदा के उपयोग से पहले संबंधित कानूनों की जाँच करें। पेटेंट, कॉपीराइट या ट्रेडमार्क के उल्लंघन से बचने के लिए विशेषज्ञों से परामर्श लें। रचनाकारों को अपनी रचनाओं को पंजीकृत करना चाहिए, जैसे कि पेटेंट या कॉपीराइट के लिए आवेदन करना। गोपनीय जानकारी को ट्रेड सीक्रेट के रूप में संरक्षित करने के लिए गैर-प्रकटीकरण समझौतों का उपयोग करें। डिजिटल राइट्स मैनेजमेंट और ब्लॉकचेन जैसी तकनीकों का उपयोग करके बौद्धिक संपदा को सुरक्षित किया जा सकता है।

सम्मान के साये

विनोद भगत

छोटे से कस्बे शीकापुर में दो मित्र साथ-साथ स्कूल जाते थे-रघु और अमित। दोनों एक ही कक्षा में पढ़ते, लेकिन स्वभाव एकदम विपरीत। रघु तेजतर्रार, उद्दंड और मारपीट में आगे, जबकि अमित शांत स्वभाव का, पढ़ाई में अव्वल और शिक्षकप्रिय। रघु को अक्सर स्कूल से निकाले जाने की धमकी मिलती, जबकि अमित हर पुरस्कार समारोह में मंच पर होता।

रघु बहुत ही शरारती या यूं कहें अभद्र और उद्दंड स्वभाव का था। कक्षा में शिक्षक ने उसकी किसी शरारत पर उसे डांटा। लेकिन उद्दंड रघु ने शिक्षक को अपशब्द कहे, पूरी कक्षा सहमी रही। शिक्षक बुरी तरह क्रोधित हो गये। उन्होंने प्रधानाचार्य को सारे मामले से अवगत कराया। रघु की उद्दंडता देखिए कि उसने प्रधानाचार्य को भी अपशब्द कहे। दरअसल कस्बे के एक राजनीतिक नेता का रघु के परिवार को वरदहस्त प्राप्त था जिसके नाम पर न केवल रघु वरन उसका पूरा परिवार कस्बे में अपना दबदबा कायम रखता था। स्कूल में हमेशा एक बात दोहराई जाती थी- रघु का तो कुछ नहीं होगा, और अमित अपनी मेधावी प्रकृति के चलते यश प्राप्त कर देश का नाम रोशन करेगा।रघु की उद्दंडता लगातार बढ़ती रही। जबकि अमित अपनी तीव्र बुद्धि के बल पर शिक्षा में उन्नति के आयाम प्रतिस्थापित करता रहा। 10वीं के बाद अमित शहर चला गया। रघु ने पढ़ाई छोड़ दी और किसी लोकल नेता के पीछे लग गया, जिसने उसमें जोश देखा, दिशा नहीं। रघु ने शराब की अवैध बिक्री शुरू कर दी। एक दो बार वह जेल भी गया लेकिन नेता का प्रभाव कहें या व्यवस्था की कमी वह हर बार साफ बच कर आता रहा। हां पुलिस ने कई बार उसे पीटा भी। इस बीच वह अपने नेता की पार्टी में पदाधिकारी भी बना दिया गया। अब तो रघु और भी आक्रामक हो गया। आंदोलनों के नाम पर धरना प्रदर्शन में भाग लेना और तोडफोड़ करना उसका नियम बन गया। स्थानीय जनता में वह दबंग नेता के रूप में चर्चित हो गया। शुरू में रघु ने कुछ चुनाव भी लड़े जिनमें उसे सफलता नहीं मिली। उधर अमित ने प्रशासनिक सेवा की तैयारी शुरू की।

पहलगामः राजनीति नहीं अब रणनीति तय करने की आवश्यकता

संदीप सृजन

पहलगाम की बैसरन घाटी, जिसे मिनी स्विट्जरलैंड के नाम से जाना जाता है, एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। यहाँ हुए हमले की टाइमिंग कई मायनों में महत्वपूर्ण है। सबसे पहले, यह हमला तब हुआ जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भारत के दौरे पर थे। दूसरा, यह अमरनाथ यात्रा के शुरू होने से ठीक पहले हुआ, जो कश्मीर में पर्यटन और धार्मिक गतिविधियों का प्रमुख समय होता है। तीसरा, पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर के हालिया बयान, जिसमें उन्होंने कश्मीर को पाकिस्तान की जुगुलर वेन (जीवन रेखा) बताया था, ने इस हमले को एक सुनियोजित भू-राजनीतिक कदम के रूप में देखने का आधार दिया। इस हमले का तरीका भी चिंताजनक है। आतंकियों ने पर्यटकों को निशाना बनाया, उनकी धार्मिक पहचान पूछी, और हिंदू नामों वाले लोगों पर गोलियां चलाईं। यह रणनीति न केवल सांप्रदायिक तनाव को भड़काने की कोशिश थी, बल्कि कश्मीर के पर्यटन उद्योग को नुकसान पहुंचाने और भारत की छवि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धूमिल करने का प्रयास भी था। यह हमला 2000 के छत्तीसिंहपुरा नरसंहार और 2023 में हमास द्वारा इजरायल पर किए गए हमले की याद दिलाता है, जिससे अंतरराष्ट्रीय आतंकी गठजोड़ की आशंका बढ़ी है। पहलगाम हमले को राजनीतिक चश्मे से देखने की प्रवृत्ति स्वाभाविक है, खासकर तब जब भारत में हर घटना को सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों के बीच वोट बैंक की राजनीति से जोड़ा जाता है। कुछ नेताओं ने इस हमले को धार्मिक आधार पर सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश की, जबकि अन्य ने सरकार की सुरक्षा

नीतियों पर सवाल उठाए। हालांकि, इस दृष्टिकोण से केवल अल्पकालिक राजनीतिक लाभ हो सकता है, लेकिन यह दीर्घकालिक रणनीतिक अवसरों को नजरअंदाज करता है। यह हमला भारत के लिए एक रणनीतिक अवसर है सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने का। पहलगाम हमले ने भारत की सुरक्षा व्यवस्था में खामियों को उजागर किया। खुफिया जानकारी की कमी, पर्यटक स्थलों पर अपर्याप्त सुरक्षा, और आतंकियों की घुसपैठ की आसानी ने सवाल उठाए। यह भारत के लिए अपनी खुफिया एजेंसियों, जैसे रॉ और आईबी, को और सशक्त करने का अवसर है। राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) और अन्य आतंकवाद-रोधी इकाइयों को पर्यटक स्थलों और संवेदनशील क्षेत्रों में स्थायी रूप से तैनात करने की रणनीति पर विचार किया जा सकता है। इसके अलावा, ड्रोन और सैटेलाइट निगरानी जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग बढ़ाया जा सकता है। इस हमले की निंदा अमेरिका, ब्रिटेन, और यहां तक कि तालिबान ने भी की। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को आतंकवाद के खिलाफ पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया।

यह भारत के लिए एक अवसर है कि वह वैश्विक मंच पर पाकिस्तान को आतंकवाद के प्रायोजक के रूप में और अधिक उजागर करे। संयुक्त राष्ट्र और फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स जैसे मंचों पर भारत अपने कूटनीतिक प्रयासों को तेज कर सकता है।

साथ ही, हमास और लश्कर-ए-तैयबा जैसे संगठनों के बीच संभावित गठजोड़ की जांच के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाया जा सकता है। भारत ने हमले के तुरंत बाद कड़े कदम उठाए। कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (उउर) की बैठक में 65 साल पुरानी सिंधु जल संधि को रद्द करने और अटारी सीमा पोस्ट को बंद करने जैसे फैसले लिए गए। यह भारत की पानी की चोट रणनीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था और कृषि पर दबाव डालना है। इसके अलावा, भारत ने पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा सेवाएं रोक दीं, जो एक सांकेतिक कदम है। यह रणनीति पाकिस्तान को आर्थिक और कूटनीतिक रूप से अलग-थलग करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

पहलगाम हमला कश्मीर में हाल के वर्षों में स्थापित शांति और पर्यटन की प्रगति को नुकसान पहुंचाने का प्रयास है। यह भारत के लिए एक अवसर है कि वह कश्मीर में विकास परियोजनाओं, जैसे रेलवे और सड़क नेटवर्क, को और तेज करे। साथ ही, स्थानीय युवाओं को रोजगार और शिक्षा के अवसर प्रदान करके आतंकवाद के प्रति उनकी उदासीनता को और बढ़ाया जा सकता है। कश्मीरियों के बीच भारत के प्रति विश्वास को मजबूत करने के लिए सांस्कृतिक और सामुदायिक कार्यक्रमों को प्रोत्साहित किया जा सकता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति की बात दोहराई। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की मौजूदगी में हुई उच्च-स्तरीय बैठकों में थल, जल, और वायु सेना के विकल्पों पर चर्चा हुई। यह भारत के लिए सर्जिकल स्ट्राइक या अन्य लक्षित कार्रवाइयों के माध्यम से आतंकी ठिकानों को नष्ट करने का अवसर है। साथ ही, सीमा पर घुसपैठ को रोकने के लिए और सख्त कदम उठाए जा सकते हैं। रणनीतिक अवसरों का लाभ उठाने के लिए भारत को कई चुनौतियों का सामना करना होगा। पहला, आंतरिक राजनीतिक मतभेद इस प्रक्रिया को जटिल बना सकते हैं। विपक्षी दलों द्वारा हमले को सरकार की विफलता के रूप में चित्रित करना रणनीतिक एकजुटता को कमजोर कर सकता है। दूसरा, अंतरराष्ट्रीय समुदाय से निरंतर समर्थन प्राप्त करना कठिन हो सकता है, खासकर तब जब पाकिस्तान अपने कूटनीतिक प्रयासों को तेज करेगा। तीसरा, कश्मीर में स्थानीय आबादी के बीच विश्वास बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि इस तरह के हमले सांप्रदायिक तनाव को बढ़ा सकते हैं।

पहलगाम आतंकी हमला एक दुखद घटना है, लेकिन इसे केवल राजनीतिक दृष्टिकोण से देखना भारत के दीर्घकालिक हितों को नुकसान पहुंचा सकता है। यह हमला भारत के लिए अपनी सुरक्षा, कूटनीति, और सैन्य रणनीति को और मजबूत करने का अवसर प्रदान करता है। पाकिस्तान को आतंकवाद के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए भारत को आर्थिक, कूटनीतिक, और सैन्य दबाव बढ़ाना होगा। साथ ही, कश्मीर में शांति और विकास को प्राथमिकता देकर आतंकवाद के मूल कारणों को संबोधित करना होगा। यह समय है कि भारत इस त्रासदी को एक रणनीतिक अवसर में बदल दे, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके और कश्मीर में स्थायी शांति स्थापित हो सके।

मजहबी उन्माद का घिनौना चेहरा है आतंकवाद

(डॉ. सुधाकर आशावादी-विनायक फीचर्स)

किसी भी भूभाग पर रहने वाले लोगों का जीवन उस भूभाग पर उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों के आधार पर ही निर्भर रहता है। इसलिए पृथ्वी का जो भूभाग व्यक्ति के लिए अन्न, जल व आवास की व्यवस्था करता है। उस भाग के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना व्यक्ति का प्रथम दायित्व होना चाहिए। विश्व भर में ऐसा ही है जहां राष्ट्र सर्वोपरि की भावना से प्रत्येक नागरिक राष्ट्र के प्रति समर्पित रहता है । कई देशों का विधान ही ऐसा है, जहां व्यक्ति अपनी व्यक्तिगत आस्थाओं के अनुपालन में राष्ट्र धारा के प्रतिकूल आचरण करने का दुस्साहस नही कर सकता। विडंबना है कि भारत जैसे लोकतांत्रिक राष्ट्र में मजहब के नाम पर लोगों को मनमानी की छूट प्राप्त है, जिस कारण कुछ लोग मजहबी उन्माद में जीयो और जीने दो के सिद्धांत की अवहेलना करने में पीछे नहीं रहते, जिसके परिणाम स्वरूप देश में धार्मिक उन्माद आतंकवाद जैसी अमानवीय हिंसा को निमंत्रण देता है।

कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के उपरांत सैलानियों की सुरक्षा और गुप्तचर एजेंसियों की विफलता पर सवाल तो उठेंगे ही, मगर इस आतंकी हमले में समूचे देश में विगत अनेक बरसों से राष्ट्र से पहले मजहब को मानने का प्रचलन भी कम दोषी नहीं है। कौन नहीं जानता कि किसी भी पंथ निरपेक्ष राष्ट्र में सभी को अपने अपने धार्मिक मूल्यों के आधार पर पूजा पद्धति अपनाने और सांस्कृतिक व परम्परागत उत्सव मनाने का अधिकार है, किन्तु यह अधिकार राष्ट्रीय एकता और अखंडता पर प्रहार करने तथा राष्ट्रय अनुशासन को अस्वीकार करने की स्वतंत्रता प्रदान नहीं करता। किसी भी समृद्ध लोकतंत्र में आम आदमी के लिए दो विधान नहीं हो सकते। भारत का दुर्भाग्य है कि कतिपय राजनीतिक स्वार्थ के चलते कुछ राजनीतिक दलों ने सत्ता बहुमत के आधार पर संविधान में मनमाने संशोधन करके खास धर्म के अनुयायियों को विशेषाधिकार प्रदान किए। अल्पसंयकों में भी भेदभाव किया। अल्पसंख्यकों की गणना हेतु समुचित मानक निर्धारित नहीं किए, जिसका दुष्परिणाम यह हुआ कि अल्पसंख्यक होने का अधिकाधिक लाभ केवल एक ही मजहब के अनुयायियों ने अधिक उठाया। सरकारी योजनाओं के नाम पर फर्जी संस्थान स्थापित करके करोड़ों रुपए के अनुदान प्राप्त किए। बिना किसी आधार के सरकारी और व्यक्तिगत सम्पत्तियों को वक्फ की संपत्ति घोषित करके समाज में विघटनकारी स्थिति उत्पन्न की। देश की संसद में भी अपने अनुरूप संविधान में संशोधन कराया तथा माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णयों को भी अपने मजहबी मामलों में दखल घोषित करके नकारा। इतिहास साक्षी है कि विश्व के किसी भी लोकतांत्रिक देश में ऐसी दबाव की एक पक्षीय नीतियों को कोई मान्यता नहीं दी जाती। विश्व में राष्ट्र सर्वोपरि की भावना से ही व्यवस्था सुचारू रहती हैं। जिन मजहबी रिवायतों को इस्लामिक राष्ट्र भी अपने देश में लागू नहीं करते, उन मजहबी रिवायतों के नाम पर भारत में धरने प्रदर्शन करके राष्ट्र को नकारने में भी संकोच नहीं किया जाता। यह चिंताजनक स्थिति है, जिससे निपटने के लिए एक देश एक कानून और समस्त लोकतान्त्रिक मूल्यों को धार्मिक आस्थाओं से ऊपर उठकर स्वीकारने पर बल दिया जाना आवश्यक है। भारत जैसे देश में मजहब के नाम पर कट्टरपन और आतंक को किसी भी स्थिति में सहन नहीं किया जा सकता। सो आवश्यक है कि संविधान से अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक जैसे शब्दों की जगह केवल नागरिक शब्द को मान्यता दी जाए। कोई भी मजहब राष्ट्र से बड़ा नहीं हो सकता, सो समान नागरिक संहिता, कठोर जनसँख्या नीति, नागरिक पंजीकरण की व्यवस्था प्राथमिकता के आधार पर हो। राष्ट्र के समग्र विकास और आत्मनिर्भर भारत बनाने हेतु मुफ्त में प्रदान की जाने वाली सुविधाएँ तत्काल प्रभाव से बंद हों।

पोप जिन्होंने अमेरिका को आईना दिखाया

– जगदीश रत्तनानी

2015 में आए एन्सिक्लिकल में विविधता, समानता और समावेशन था जिसे वार्षिक रिपोर्ट में पेश किया और दिखाया गया लेकिन उसे वास्तव में उसकी सही भावना में कभी नहीं समझा या लागू नहीं किया गया। इसके परिणामस्वरूप ठीक वही हुआ जिसकी एन्सिक्लिकल ने चेतावनी दी थीः '... इसके बाद परस्पर विरोधी हितों, हिंसा और क्रूरता के नए रूपों व पर्यावरण की देखभाल की वास्तविक संस्कृति के विकास में बाधाओं पर संघर्ष होता है।

रोमन कैथोलिक चर्च के प्रमुख पोप फ्रांसिस का 88 वर्ष की आयु में ईस्टर सोमवार को निधन हो गया। वे गरीबों के पोप थे जिन्होंने कमजोर और हाशिए पर पड़े लोगों के लिए आवाज उठाई, जिन्होंने शांति को बढ़ावा देने के साधन के रूप में अंतर-विश्वास संवाद का समर्थन किया और होली सी के सिद्धांत को स्थायी रूप में उकेरा। पोप फ्रांसिस के समय में कई चीजें पहली बार हुई थीं जिनमें से तीखी और चुभने वाली आलोचना हो सकती है जो उन्होंने अमेरिकी प्रशासन के लिए छोड़ दी थी जिसका पूरा ध्यान अब वैश्विक संबंधों को उखाड़ फेंकने, अप्रवासियों को बदनाम करने और भागीदारों को धमकाने पर केंद्रित है। पोप फ्रांसिस अपने शुरूआती दिनों में एक चौकीदार और नाइट क्लब बाउंसर के रूप में काम करते थे। वे पोप के माध्यम से प्रतिध्वनित हुए, विशेष रुप से अपने अंतिम दिनों में जब डोनाल्ड ट्रम्प अमेरिकी राष्ट्रपति बने और उनके प्रशासन ने अप्रवासियों को निशाना बनाया एवं इसे आव्रजन पुलिस को दी गई व्यापक शक्तियों के साथ शिकार

करने और निर्वासित करने का एक मिशन बनाने के बाद उन्होंने स्वयं को स्पष्ट रूप से अभिव्यक्त किया। ईस्टर रविवार, 20 अप्रैल को अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से मुलाकात के तुरंत बाद पोप का संदेश स्पष्ट था। सेंट बेसिलिका की बालकनी से पढ़े गए बयान में कहा गया कि 'कमजोर, हाशिए पर रहने वाले और अप्रवासियों की अवमानना कब तक की जाती रहेगी!' यह पोप का आखिरी सार्वजनिक 'दर्शन' था लेकिन यह संदेश अमेरिका को ताना मारता और उस पर दबाव डालता रहेगा।

यह एक संदेश है कि वेंस को व्यक्तिगत रूप से एक कैथोलिक के रूप में (वेंस को छह साल पहले बपतिस्मा दिया गया था) और एक सार्वजनिक नेता के रूप में भी सामने आना होगा, खासकर जब उन्होंने एक जटिल तरीके से अप्रवासियों पर कार्रवाई को सही ठहराने के लिए धार्मिक विचारों और अभिव्यक्तियों को चुनने की कोशिश की है, जैसे आर्डर ऑफ लव (लेटिन शब्द 'ऑर्डो एमोरिस') यानी प्रेम का क्रम मतलब मनुष्य सबसे पहले ईश्वर,उसके बाद खुद से और उसके बाद अपने पड़ोसियों से प्रेम करे।

30 जनवरी को वेंस ने 'एक्स' पर कहाः 'जस्ट गूगल 'ऑर्डो एमोरिस' (गूगल पर 'ऑर्डो एमोरिस' सर्च कीजिये)। वेंस इस विचार को समझते हैं कि दान के लिए एक आदेश है जो दूसरों से पहले परिवार और घर को लाता है। इसके आगे यह तर्क दिया जा रहा था कि मातृभूमि की रक्षा के लिए अप्रवासियों को बाहर फेंक दिया जाना चाहिए।

पोप फ्रांसिस पर दायित्व था कि वे इस मामले में तुरंत एक स्पष्टीकरण भेजें। 10 दिन बाद सभी अमेरिकी धर्माध्यक्षों को एक पत्र में उन्होंने लिखा- 'ईसाई प्रेम हितों का एक केंद्रित विस्तार नहीं है जो अन्य व्यक्तियों और समूहों के लिए थोड़ा-थोड़ा करके विस्तारित होता है ... मानव, व्यक्ति गरिमा के साथ एक विषय है जो सभी के साथ विधायक संबंध के माध्यम से, विशेष रूप से सबसे गरीब के साथ, धीरे-धीरे अपनी पहचान और ईश्वरीय आह्वान में परिपक्व हो सकता है। सच्चा ऑर्डो एमोरिस वह है जिसे हम लगातार ध्यान करके खोजते हैं, जिसे बढ़ावा दिया जाना चाहिए.., उस प्रेम पर जो बिना किसी अपवाद के सभी के लिए भाईचारे का निर्माण करता है।

अस्वस्थ और बीमारियों से जूझ रहे 266वें पोप का मजबूत रुख और स्पष्ट संदेश उनकी भावनाओं की गहराई और उस दर्द का संकेत देते हैं जो अमेरिका ने उन जैसे नेता को दिया जिसने गरीबों और हाशिए पर पड़े लोगों की सेवा करने को अपना मिशन बना लिया था।

अमेरिकी धर्माध्यक्षों को लिखे 10 फरवरी के पत्र में कहा गया हैः 'जिन्होंने अत्यधिक गरीबी, असुरक्षा, शोषण, उत्पीड़न या पर्यावरण की गंभीर गिरावट के कारण अपना देश छोड़ दिया, पुरुषों व महिलाओं और पूरे परिवारों की गरिमा को नुकसान पहुंचाता है व उन्हें विशेष भेद्यता और रक्षाहीनता की स्थिति में रखताहै, अधिकांश मामलों में उन लोगों को निर्वासित करने का कार्य कोई मामूली मुद्दा नहीं है। कानून का एक प्रामाणिक शासन तभी सटीक रूप से सत्यापित होता है जब सभी लोग, विशेष रूप से सबसे गरीब और सबसे हाशिए पर रखे गए लोगों से गरिमापूर्ण व्यवहार किया जाए जिसके वे हकदार हैं'।

जब अमेरिका के लोगों सहित कई अन्य,विशेष रूप से व्यवसायों ने इस मामले में चुप्पी साध ली थी तो पोप एक आवाज के रूप में भी सामने आए। उनके शब्द अनुचित, अन्यायपूर्ण और 'ऑर्डो एमोरिस' की सच्ची भावना के खिलाफ उठाए गए असहमति के स्वरों को प्रोत्साहित करते हैं और उनके समर्थन में खड़े होते हैं।

आप्रवासियों के समर्थन में लड़ी गई तात्कालिक लड़ाइयों से परे पोप फ्रांसिस को विशेष रूप से उनके 184-पृष्ठ के एन्सिक्लिकल लौदातो सी (प्रेज बी टू यू) के लिए याद किया जाएगा, जो 'हम सबके घर की देखभाल' यानी पृथ्वी के लिए समर्पित है। यह संधारणीयता पर एक ग्रंथ है जो प्रेरणादायक, क्रांतिकारी, समग्र और सिस्टम सोच में आधारित है-।

इजरायल को तीन नए एफ-35आई स्टील्थ लड़ाकू विमान मिले

एजेंसी

यरूशलम। इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने कहा कि उनकी वायु सेना को तीन नए एफ-35आई स्टील्थ लड़ाकू विमान मिले हैं। आईडीएफ के बयान के अनुसार, तीन एफ-35आई 'अदीर' लड़ाकू विमान ने दक्षिणी इजरायल के नेगेव रेगिस्तान स्थित नेवातिम एयरबेस पर लैंडिंग की। यह अमेरिका की कंपनी लॉकहीड मार्टिन द्वारा बनाए गए एफ-35 का विशेष संस्करण है। नए जेट विमान वायुसेना के 140 स्क्वाड्रन में शामिल हो गए हैं, जिसे गोल्डन ईगल के नाम से जाना जाता है, जो इजरायल की पहली एफ-35आई इकाई है और 2016 में बनी थी। इजरायल अक्टूबर 2010 में अमेरिका से एफ-35 खरीदने वाला पहला देश है। आईडीएफ के अनुसार, क्षेत्र में बहु-स्तरीय संघर्ष शुरू होने के बाद से 'अदीर' लड़ाकू विमान अभूतपूर्व स्तर पर अभियान चला रहे हैं। अभी तक इजरायल के पास 45 एफ-35आई विमान हैं, जबकि अमेरिका से कुल 75 विमानों का सौदा हुआ है।

अमेरिका ने इस वर्ष खसरे के 800 से अधिक मामले दर्ज किए

लॉस एंजिल्स। अमेरिका में इस वर्ष अब तक खसरे के 884 पुष्ट मामले दर्ज किए गए हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में तीव्र वृद्धि दर्शाता है। अमेरिकी रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों में यह जानकारी दी गयी। वर्ष 2025 में अब तक देश भर में खसरे के 11 प्रकोप दर्ज किए गए हैं। सीडीसी प्रकोप को तीन या अधिक संबंधित मामलों के रूप में परिभाषित करता है।अमेरिका के 30 अधिकार क्षेत्रों में पुष्ट मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें 94 अस्पताल में भर्ती हैं और तीन मौतें इस बीमारी के कारण हुई हैं। इस वर्ष खसरे के मामलों की

संख्या वर्ष 2024 की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाती है, जब देश में खसरे के कुल 285 मामले दर्ज किए गए थे। सीडीसी इस बात पर जोर देता है कि खसरे को रोकने का सबसे अच्छा तरीका टीकाकरण है। एमएमआर (खसरा, कण्ठमाला, रूबेला) वैक्सीन की दो खुराकें रोग की रोकथाम में अत्यधिक प्रभावी हैं।

भारत, पाकिस्तान किसी न किसी तरह से इसे स्वयं ही सुलझा लेंगे : ट्रम्प

वाशिंगटन/नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच हमेशा से बहुत तनाव रहा है, लेकिन दोनों देश 'किसी न किसी तरह से इसे स्वयं ही सुलझा लेंगे'। पहलगाम आतंकी हमले को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के बारे में रोम जाते समय एयरफोर्स वन में पत्रकारों द्वारा पूछे जाने पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, ÷मैं भारत के बहुत करीब हूँ, और मैं पाकिस्तान के भी बहुत करीब हूँ। जैसा कि आप जानते हैं कि कश्मीर में उनकी लड़ाई एक हजार साल से चल रही है, यह एक हजार साल से चल रही है, शायद उससे भी ज्यादा समय सेज्और कल एक बहुत बुरा हमला हुआ, बहुत बुरा, 30 से ज्यादा लोग मारे गए÷। उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र करते हुए कहा जिसमें पाकिस्तान से जुड़े आतंकवादियों ने 26 पर्यटकों को मार डाला था। सीमा पर बढ़ते तनाव के बारे में पूछे जाने पर और क्या वह चिंतित हैं, अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा: 'ठीक है, उस सीमा पर एक हजार पांच सौ वर्षों से तनाव है, इसलिए, समझिए, यह वैसा ही है जैसा पहले था। वे इसे किसी न किसी तरह से सुलझा लेंगे, मैं उनके दोनों नेताओं को जानता हूँ। पाकिस्तान और भारत के बीच बहुत तनाव है, हमेशा से रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति की यह टिप्पणी अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा पहलगाम आतंकवादी हमले पर कही गई टिप्पणी के बाद आई है। अब पहलगाम में हुए आतंकवादी हमलों की बात करें। जैसा कि राष्ट्रपति ट्रंप और सचिव रुबियो ने स्पष्ट किया है, अमेरिका भारत के साथ खड़ा है, आतंकवाद के सभी कृत्यों की कड़ी निंदा करता है।

ईरान की भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता की पेशकश

तेहरान। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव को कम करने के लिए ईरान ने मध्यस्थता की पेशकश की है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराग़ची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में दोनों पड़ोसी देशों के बीच शांति स्थापित करने की इच्छा व्यक्त की है। उन्होंने लिखा कि ईरान का भारत और पाकिस्तान के साथ सदियों पुराना सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंध है, और तेहरान इन संबंधों को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। अराग़ची ने आगे कहा कि इस मुश्किल समय में ईरान नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच सौहार्दपूर्ण संबंधों की मध्यस्थता करने के लिए तैयार है। उन्होंने अपनी इस भावना को फ़ारसी कवि सादी की एक कविता के माध्यम से भी व्यक्त किया।

शहबाज शरीफ का पाकिस्तान के सशस्त्र बलों से तैयार रहने का आह्वान

एजेंसी

एबटाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने आज सुबह एबटाबाद के काकुल स्थित पाकिस्तान सैन्य अकादमी के पासिंग आउट समारोह में हिस्सा लिया। शहबाज ने इस मंच का भी उपयोग भारत को धमकी देने के लिए किया। उन्होंने धमकी भरे लहजे कहा कि भारत आरोप-प्रत्यारोप का खेल बंद करे। पाकिस्तान उसके किसी भी दुस्साहस का ताकत से जवाब देने के लिए तैयार है। शरीफ ने मुल्क की संप्रभुता की रक्षा के लिए सशस्त्र बलों से तैयार रहने का आह्वान किया। न्यूज की खबर के अनुसार, प्रधानमंत्री शहबाज ने शनिवार को भारत से लगातार आरोप-प्रत्यारोप का खेल बंद करने की मांग की और कहा कि किसी भी दुस्साहस का पूरी ताकत से जवाब दिया जाएगा। उन्होंने

कहा कि पहलगाम हमले के भारत मुल्क पर निराधार आरोप लगा रहा है। भारत के पास आरोपों के पक्ष में कोई साक्ष्य नहीं हैं। पहलगाम हमले की अंतरराष्ट्रीय निष्पक्ष और पारदर्शी जांच जरूरी है।

शहबाज ने सिंधु जल संधि के तहत पाकिस्तान के जल हिस्से को रोकने या मोड़ने के किसी भी कदम के खिलाफ सख्त चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि इस मोर्चे पर पाकिस्तान के संकल्प के बारे में किसी को भी कोई भ्रम नहीं होना चाहिए। पाकिस्तान ने भारत के 2019 के हवाई हमले का माकूल जवाब दिया। भविष्य में किसी भी दुस्साहस का इसी तरह का जवाब दिया जाएगा। प्रधानमंत्री शहबाज ने कहा कि पाकिस्तान शांति के लिए खड़ा है, लेकिन इसे कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए। मुल्क की गरिमा और सुरक्षा से कभी समझौता नहीं किया जाएगा। सिंधु जल संधि देश के 240 मिलियन लोगों के लिए जीवन रेखा है। इसके पानी की उपलब्धता को हर कीमत पर और हर परिस्थिति में सुरक्षित रखा जाएगा।

बांग्लादेश पुलिस ने श्रीलंका के तीन अपहृत नागरिकों को छुड़ाया, चार लोग गिरफ्तार

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश पुलिस ने पिछले दिनों ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अगवा किए गए श्रीलंका के तीन नागरिकों को छुड़ा लिया। आरोपितों ने तीनों के घरवालों को फोन कर फिरौती मांगी थी। पुलिस ने इस संबंध में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। द डेली स्टार की खबर के अनुसार श्रीलंकाई नागरिक 22 अप्रैल को बागेरहाट के शाहिदुल शेख नामक एक व्यापारी के निमंत्रण पर व्यापारिक उद्देश्यों से बांग्लादेश पहुंचे थे। ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 22 अप्रैल को श्रीलंका के तीनों नागरिकों का अपहरण किया गया था।इनको छुड़ाने का अभियान दोपहर 12फीसदी 15 बजे बागेरहाट जिले के मोल्लाहाट उपजिला के कोडालिया क्षेत्र में शुरू किया गया। बांग्लादेश पुलिस नस तीनोंचस को सुरक्षित बचा लिया। डीआईजी (खुलना रेंज) मोहम्मद रजाउल हक ने

पत्रकारों को बताया कि अपहरण के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए चार लोगों में काजी इमदाद हुसैन, शाहिदुल शेख, जॉनी शेख और एसएम शमसुल आलम हैं। इन लोगों ने बांग्लादेशी फोन नंबर से श्रीलंकाई नागरिकों के परिवारों से संपर्क करके फिरौती मांगी थी। पुलिस ने इमदाद के घर पर छापा मारा और तीनों श्रीलंकाई बंधकों को बचा लिया।

यूएनएससी ने पहलगाम हमले की निंदा की

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के सदस्यों ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है। जिसमें कम से कम 26 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए।संयुक्त राष्ट्र सूचना केन्द्र की ओर से जारी प्रेस वक्तव्य के अनुसार सुरक्षा परिषद के सदस्यों ने पीड़ितों के परिवारों और भारत सरकार तथा नेपाल सरकार के प्रति अपनी गहरी सहानुभूति और संवेदना व्यक्त की तथा घायलों के शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ होने की कामना की। सुरक्षा परिषद के सदस्यों ने इस बात पर पुनः जोर दिया कि आतंकवाद अपने सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए सबसे गंभीर खतरों में से एक है। सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष जेरोम बोनाफोंट (फ्रांस) ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि सुरक्षा परिषद के सदस्यों ने आतंकवाद के इस निंदनीय कृत्य के अपराधियों, आयोजकों, वित्तपोषकों और प्रायोजकों को जवाबदेह ठहराने और उन्हें न्याय के कटघरे में लाने की आवश्यकता पर बल दिया।उन्होंने इस सदस्यों ने दोहराया कि आतंकवाद का कोई भी कृत्य आपराधिक और अनुचित है, चाहे उसका उद्देश्य कुछ भी हो, चाहे वह कहीं भी, कभी भी और किसी के द्वारा भी किया गया हो। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र चार्टर और

बात पर जोर दिया कि इन हत्याओं के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए, और सभी देशों से अंतरराष्ट्रीय कानून और प्रासंगिक सुरक्षा परिषद प्रस्तावों के तहत अपने दायित्वों के अनुसार इस संबंध में सभी संबंधित अधिकारियों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करने का आग्रह किया। सुरक्षा परिषद के अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार कानून, अंतर्राष्ट्रीय शरणार्थी कानून और अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून सहित अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत अन्य दायित्वों के अनुसार सभी राज्यों द्वारा आतंकवादी कृत्यों के कारण अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए उत्पन्न खतरों से हर तरह से निपटने की आवश्यकता की पुष्टि की।

पाकिस्तान की सीनेट ने प्रस्ताव पारित कर पहलगाम आतंकी हमले पर भारत के आरोपों को खारिज किया

एजेंसी

इस्लामाबाद। भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद उपजी स्थितियों पर आज पाकिस्तान संसद के उच्च सदन सीनेट (आइवान-ए बाला) में चर्चा हुई। सीनेट ने सर्वसम्मत से प्रस्ताव पारित कर हमले में पाकिस्तान का हाथ होने के भारत के आरोपों को खारिज कर दिया। सीनेट ने आरोपों को निराधार और राजनीति से प्रेरित बताया। न्यूज की खबर के अनुसार, सीनेट में पारित किए गए प्रस्ताव में सभी तरह के आतंकवाद की निंदा की गई है। इसमें इस बात पर जोर दिया गया कि निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाना पाकिस्तान के मूल मूल्यों के खिलाफ है। हमले के बाद भारत के सिंधु जल संधि को स्थगित करने की घोषणा से जले-भुने पाकिस्तान के नेताओं ने सीनेट में इसकी निंदा की। प्रस्ताव में चेतावनी दी गई कि पाकिस्तान किसी भी आक्रमण का जवाब देने में सक्षम है। इस दौरान पुराना राग अलापते हुए कश्मीरी लोगों के आत्मनिर्णय के अधिकार के लिए अटूट समर्थन को दोहराया गया। उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने सीनेट को बताया कि भारत ने हालांकि सीधे तौर पर पाकिस्तान का नाम लेने से परहेज

किया है, लेकिन बिना किसी सबूत के इस ओर इशारा किया है। साथ ही डार ने सदन को राष्ट्रीय सुरक्षा समिति की बैठक के निर्णयों की जानकारी दी। इसकी जानकारी कल 26 देशों को दी गई। बाकी को आज दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सऊदी अरब के विदेश मंत्री ने शाम सात बजे बातचीत का समय निर्धारित करने का अनुरोध किया है। डार ने धमकी के अंदाज में कहा कि पाकिस्तान के सशस्त्र बल पूरी तरह से तैयार हैं। सीनेट में विपक्ष के नेता शिबली फराज ने कहा कि यह प्रस्ताव विरोधियों को एकीकृत संदेश भेजता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत लगातार आतंकवाद के बहाने पाकिस्तान को बदनाम करता है। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) की सीनेटर शेरी रहमान ने भी सत्ता प्रतिष्ठान के नेताओं की हां में हां मिलाया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने आतंकवाद के मसले पर भारत से बातचीत करने की कोशिश की थी, लेकिन उसने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इस दौरान अवामी नेशनल पार्टी (एएनपी) के अध्यक्ष ऐमल वली ने कहा कि युद्ध से किसी को कोई लाभ नहीं होता। उन्होंने कहा कि दोनों देशों में एक-दूसरे को पूरी तरह से नष्ट करने की पर्याप्त शक्ति है। उन्होंने भारत में उन लोगों से आह्वान किया जो शांति चाहते हैं, अहिंसा के सिद्धांतों का पालन करते हैं और आतंकवाद का विरोध करते हैं कि वे युद्ध के खिलाफ अपनी आवाज उठाएं।

पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ दुष्प्रचार में विदेशी मीडिया का सहारा लिया

एजेंसी

इस्लामाबाद। भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद आरोपों से घिरा पाकिस्तान विदेशी मीडिया की शरण में पहुंचा है। इस बहाने अपनी पुरानी आदत के अनुसार, भारत के खिलाफ राग अलाप रहा है। मुल्क के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ ने अमेरिकी अखबार द न्यूयॉर्क टाइम्स को दिए इंटरव्यू में भारत पर तमाम आरोप लगाते हुए पहलगाम हमले की अंतरराष्ट्रीय जांच कराने की मांग की है। डॉन अखबार की रिपोर्ट में ख्वाजा के इस इंटरव्यू की चर्चा की गई है। इसमें कहा गया है कि पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए हमले में 26 लोग मारे गए।इनमें से ज्यादातर पर्यटक थे। वर्ष 2000 के बाद यह सबसे घातक सशस्त्र हमला है। हमले की जिम्मेदारी कथित तौर पर द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली है। हमले के बाद दोनों देशों ने एक-दूसरे के खिलाफ कई तरह के कदम उठाए हैं। भारत ने सिंधु जल दिया है। आसिफ ने द न्यूयॉर्क टाइम्स को दिए साक्षात्कार में कहा कि पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों की किसी भी जांच में सहयोग करने के लिए तैयार है।

संधि को स्थगित करने की घोषणा की है। पाकिस्तान ने शिमला समझौते को स्थगित कर भारतीय उड़ानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद कर पहलगाम में हुई घटना से भारत को सिंधु जल संधि को निलंबित करने का बहाना मिल गया है। आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान नहीं चाहता कि जल 'युद्ध' भड़के। आसिफ ने सफाई दी कि प्रतिबंधित संगठन लश्कर-ए-तैयबा निष्क्रिय हो चुका है। उसके पास पाकिस्तान से हमले की योजना बनाने या उसे अंजाम देने की कोई क्षमता नहीं है। लश्कर के लोगों में से कुछ को घरों में नजरबंद कर दिया गया है और कुछ को हिरासत में लिया गया है। आसिफ ने इंटरव्यू में दुनिया को यह बताने की कोशिश की है कि यह हमला भारत सरकार ने ही कराया। पिछले एक दशक से भारत इस संधि से बाहर निकलने की कोशिश करता रहा है। इस हमले के बहाने उसे अब मौका मिल गया है। स्काई न्यूज के साथ एक अलग साक्षात्कार में रक्षामंत्री आसिफ चेतावनी दे चुके हैं अगर भारत ने पाकिस्तान पर हमला किया तो युद्ध छिड़ सकता है।

डॉ. जयशंकर ने राजदूत शर्मा से मिल पहलगाम हमले में मारे गए नेपाली युवक के प्रति संवेदना जताई

एजेंसी

काठमांडू। भारत के विदेशमंत्री डॉ. एस जयशंकर ने दिल्ली में नेपाल के राजदूत डॉ. शंकर शर्मा को बुलाकर पहलगाम हमले में मारे गए नेपाली युवक के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। भारतीय विदेश मंत्रालय में पहलगाम आतंकी हमले को लेकर विभिन्न देशों के राजदूतों से मिलने के क्रम में डॉ. जयशंकर ने नेपाल के राजदूत डॉ. शर्मा से मुलाकात की है। भारतीय विदेश मंत्रालय में हुई इस

मुलाकात के दौरान जयशंकर ने पहलगाम हमले में मारे गए नेपाली नागरिक सुदीप न्यौपाने के प्रति दुख प्रकट करते हुए अपनी संवेदना जताई है। डॉ. शर्मा ने बताया कि विदेशमंत्री डॉ. जयशंकर के अनुसार, भारत सरकार न्यौपाने के पीड़ित परिवार को वह सभी सुविधाएं मुहैया कराएगी, जो उस हमले में मारे गए भारतीय नागरिकों को मिलेंगी। विदेशमंत्री ने पहलगाम हमले पर नेपाल सरकार के समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के तरफ से संवेदना प्रकट करने के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को व्यक्तिगत रूप से फोन कर इस दुख के क्षण में भारत के साथ खड़े होने पर भी धन्यवाद दिया।

पाकिस्तान में सिंधु पर नहर परियोजना का विरोध, आंदोलन से डरी सरकार

एजेंसी

कराची। पाकिस्तान का सिंध प्रांत संघीय सरकार की सिंधु नदी पर नहरों का जाल बिछाने की योजना के खिलाफ उबल रहा है। राजधानी कराची से लेकर गांव और शहरों के लोगों ने बगावत का झंडा उठा लिया है। अरब सागर के तट पर बसे कराची में अशांति की लपटें उठ रही हैं। नहर प्रदर्शनकारियों के धरना समाप्त करने से इनकार करने की वजह से करीब 15 हजार मालवाहक वाहन बीच रास्ते में फंस गए हैं। डॉन अखबार की खबर के अनुसार, नहर प्रदर्शनकारियों को संघीय सरकार के आश्वासन पर भरोसा नहीं है। उन्होंने धरना समाप्त करने से इनकार कर दिया है। हालांकि आंदोलन से भयभीत संघीय सरकार ने सिंधु नदी पर विवादास्पद नहर परियोजना को रोकने का निर्णय लिया है। ट्रांसपोर्टरों ने कहा कि आंदोलन के कारण देश की आपूर्ति श्रृंखला में गंभीर व्यवधान पैदा हो गया है। ट्रांसपोर्ट गुड्स एसोसिएशन के अध्यक्ष तारिक गुज्जर ने कहा कि सड़कों पर लगाए गए अवरोधों के कारण सुक्कुर-लरकाना डिवीजन और बहावलपुर के आसपास 15,000 से अधिक ट्रॉलर, कंटेनर, ट्रक और तेल टैंकर फंसे हुए हैं। गुज्जर का कहना है कि आंदोलन में वकीलों के कूद जाने से हालात और बिगड़ गए हैं। प्रदर्शनकारी दो मई का इंतजार कर रहे हैं। संघीय सरकार ने घोषणा की है कि नहर परियोजनाओं को रोकने की आधिकारिक अधिसूचना का दो मई को जारी होगी। संघीय सरकार ने घोषणा की कि प्रस्तावित नहर परियोजना तब तक स्थगित रहेगी जब तक कि दो मई को होने वाली काउंसिल ऑफ कॉमन इंटरेस्ट्स की बैठक में आम सहमति नहीं बन जाती। हालांकि, पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी और प्रदर्शनकारी वकीलों का प्रतिनिधित्व करने वाले एडवोकेट आमिर वराइच के बीच बैठक हुई है। इस बीच, सिंध के मुख्यमंत्री मुराद अली शाह ने प्रदर्शनकारियों से अवरुद्ध राजमार्गों को खोलने और माल की आवाजाही को फिर से शुरू करने की अपील की है। कराची चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष जावेद बिलवानी ने पिछले 10-12 दिनों में निर्यात ऑर्डर और स्थानीय उत्पादन में 500 बिलियन रुपये (1.8 बिलियन डॉलर) से अधिक के संचयी नुकसान का अनुमान जताया है। जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फजल (जेयूआई-एफ) सिंध के महासचिव राशिद महमूद सूमरो ने संघीय सरकार के मौखिक आश्वासन को खारिज कर दिया। उल्लेखनीय है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार के सिंधु जल संधि को स्थगित करने से पाकिस्तान में कोहराम मचा हुआ है।

नेपाल-भारत सीमा पर रेलवे ट्रैक का पैडल खोलते पकड़े गए मदरसे के दो लड़के

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल-भारत की सीमा पर रहे रेलखंड में ट्रेन दुर्घटना कराने की नीयत से रेलवे ट्रैक का पैदल खोलते हुए पुलिस ने दो लड़कों को नियंत्रण में लिया है। ये दोनों ही लड़के पास के मदरसे के हैं। नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के कुण्डवा चैनपुर रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर दो दर्जन पैडल के साथ मदरसे के दो छात्रों को रेलवे पुलिस बल ने हिरासत में लिया है।

रेलवे लाइन के कई पेडल खुले हुए पाए गए हैं, जिससे आशंका है कि यह ट्रेन को नुकसान पहुंचाने की नीयत से की गई कोशिश हो सकती है। इस गतिविधि की भनक सीमा जागरण मंच के कार्यकर्ताओं को लगी। इस संगठन के लोगों ने रेलवे पुलिस बल को तत्काल इसकी सूचना दी। उन्होंने इस कार्य में मदरसा में पढ़ने वाले कई नाबालिग

लड़कों के शामिल होने की जानकारी दी। रेलवे पुलिस बल की टीम को आता देख अधिकांश बच्चे फरार हो गए जबकि दो बच्चों को आरपीएफ ने अपने नियंत्रण में लिया। आरपीएफ की टीम ने मदरसे के दोनों छात्रों को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है। आरपीएफ के एएसआई सुधीर कुमार ने बताया कि पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इन छात्रों का असल मकसद क्या था और पेडल खोलने के लिए उन्हें किसने कहा था?

एपस्टीन मामले में आरोप लगाने वाली वर्जीनिया गिफ्रे ने 41 वर्ष की आयु में आत्महत्या की

कैनबरा । जेफरी एपस्टीन के शोषण और तस्करी नेटवर्क को उजागर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली वर्जीनिया गिफ्रे ने 41 साल की उम्र में आत्महत्या कर ली। उनके परिवार ने पुष्टि की कि उनका निधन ऑस्ट्रेलिया के नीगैंबी में हुआ। गिफ्रे ने साहस के साथ एप्सटीन और उनके प्रभावशाली सहयोगियों के खिलाफ आरोप लगाए। उन्होंने यौन शोषण और तस्करी से प्रभावित लोगों के अधिकारों के लिए आवाज उठाई और न्याय की लड़ाई लड़ी। अंत में उन्होंने ऐसे लोगों को सजा दिलाई। फ्लोरिडा में जन्मीं और पली-बढ़ीं गिफ्रे को बचपन में ही एक पारिवारिक परिचित से यौन शोषण का सामना करना पड़ा। इन शुरुआती आघातों ने उनकी किशोरावस्था को बहुत प्रभावित किया। वह बेघर भी हो गईं। इसी दौर में उनकी मुलाकात एप्सटीन की करीबी सहयोगी घिसलीन मैक्सवेल से हुई। 1999 से 2002 के बीच, यह आरोप लगाया गया है कि एप्स्टीन ने गिफ्रे को कई बड़े लोगों के पास गलत कामों के लिए भेजा था। उसने जिन लोगों के नाम लिए, उनमें ब्रिटेन के प्रिंस एंड्रयू और फ्रांस के मॉडलिंग एजेंट जीन-ल्यूक ब्रनेल शामिल थे। दोनों ने इन आरोपों से इनकार किया है।

कोलंबिया विवि के छात्र और फिलिस्तीन समर्थक खलील को बिना वारंट हिरासत में लेने का खुलासा

एजेंसी

वाशिंगटन। फिलिस्तीन समर्थक और कोलंबिया विश्वविद्यालय के स्नातक छात्र महमूद खलील को पिछले महीने बिना किसी गिरफ्तारी वारंट के हिरासत में लिया गया। सीरिया में जन्मे और ग्रीन कार्ड धारक खलील को 8 मार्च को रमजान के दौरान इफ्तार से लौटने के बाद गिरफ्तार किया गया था। न्यूज चैनल के अनुसार, जारी किए गए अदालती दस्तावेजों से इसकी पुष्टि हुई है कि खलील को बिना किसी गिरफ्तारी वारंट के हिरासत में लिया गया। अदालती दस्तावेजों में होमलैंड सुरक्षा विभाग के वकीलों ने कहा कि आव्रजन अधिकारियों के पास 'वारंट रहित गिरफ्तारी करने के लिए आवश्यक परिस्थितियाँ थीं'। यह आशंका थी कि वह वह सहयोग नहीं करेगा और भागने की फिराक में है। संघीय आव्रजन अधिकारियों ने कहा कि उन्हें विश्वास था कि उसके भागने का जोखिम है। इसलिए गिरफ्तारी आवश्यक थी। चैनल के अनुसार, गिरफ्तारी के वीडियो फुटेज में खलील को सहयोग करते हुए और अधिकारियों से यह कहते हुए दिखाया गया है, 'हां, मैं आपके साथ चलने के लिए तैयार हूं।' खलील इस समय लुइसियाना में एक इमिग्रेशन डिटेंशन सुविधा में हिरासत में है। खलील की पत्नी नूर अब्दुल्ला ने

पिछले दिनों पहले बच्चे के जन्म दिया है। खलील के वकीलों का तर्क है कि उनके मुवक्किल के अपार्टमेंट बिल्डिंग में प्रवेश करने के लिए वारंट की आवश्यकता थी। खलील की कानूनी टीम मामले को खारिज करने की मांग कर रही है। टीम का दावा है कि उसने गिरफ्तारी के दौरान अधिकारियों के साथ सहयोग किया और यह साबित करने के लिए कोई सबूत पेश नहीं किया गया है कि वह भागने का जोखिम था। होमलैंड सुरक्षा विभाग की सहायक सचिव ट्रिसिया मैकलॉघलिन ने एक ई-मेल बयान में कहा, खलील ने भागने की कोशिश की, इसलिए उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसके यहां जाते समय प्रशासनिक गिरफ्तारी वारंट निष्पादित किया गया था। कोलंबिया विश्वविद्यालय ने इस मामले में किसी भी तरह की टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। उधर, ट्रंप प्रशासन ने आठ मार्च को न्यूयॉर्क शहर में खलील की गिरफ़्तारी के बाद से उसे अमेरिका से निर्वासित करने के लिए दो आधार प्रस्तुत किए हैं। प्रशासन ने इमिग्रेशन कानून में एक प्रावधान का हवाला दिया जो राज्य के सचिव को किसी व्यक्ति को निर्वासित करने का अधिकार देता है। दूसरा आधार 23 मार्च को सार्वजनिक किया गया। इसमें आरोप लगाया गया है कि खलील ने कुछ संगठनों में अपनी सदस्यता के बारे में जानकारी छुपाई और अपने स्थायी निवास आवेदन में बेरूत में ब्रिटिश दूतावास में सीरिया कार्यालय में अपने रोजगार का खुलासा करने में विफल रहा।

ऑस्ट्रेलिया में पांच मैचों की श्रृंखला के लिए तैयार भारतीय महिला हॉकी टीम

एजेंसी

पर्थ। एक महीने लंबे सीनियर नेशनल कैंप के बाद भारतीय महिला हॉकी टीम अब ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए पूरी तरह तैयार है। टीम 26 अप्रैल से 4 मई के बीच पर्थ हॉकी स्टेडियम में पांच मुकाबले खेलेगी, जिनमें शुरुआती दो मैच ऑस्ट्रेलिया ए टीम के खिलाफ 26 और 27 अप्रैल को होंगे, जबकि शेष तीन मुकाबले 1, 2 और 4 मई को विश्व रैंकिंग में पांचवें स्थान पर काबिज ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम से होंगे। भारतीय टीम ने हाल ही में एफआईएच महिला हॉकी प्रो लीग में घरेलू मैदान पर भाग लिया था, जहां टीम ने आठ मैचों में दो जीत और एक शूटआउट जीत दर्ज की। इस टूर्नामेंट का अंत टीम ने शानदार अंदाज में किया, जब उन्होंने विश्व नंबर-1 नीदरलैंड्स को 2-2 ड्रॉ के बाद शूटआउट में हराकर बोनस प्वाइंट हासिल किया। मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने इस श्रृंखला के लिए 26 सदस्यीय टीम की घोषणा की है, जिसकी कमान सलीमा टेटे को सौंपी गई है, जबकि नवनीत कौर उप-कप्तान होंगी। युवा ड्रैग फ्लिकर दीपिका बेहतरीन फॉर्म में हैं, जिन्होंने फरवरी में प्रो लीग के दौरान तीन गोल दागे थे।

केयर्न ने केजी बेसिन में अन्वेषण के लिए ईएमजीएस के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली। तेल एवं गैस क्षेत्र की प्रमुख कंपनी केयर्न ऑयल एंड गैस ने कृष्णा-गोदावरी (केजी) बेसिन में गहरे पानी में हाइड्रोकार्बन की खोज के लिए नॉर्वे की इलेक्ट्रोमैग्नेटिक जियोसर्विसेज (ईएमजीएस) के साथ साझेदारी की है। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि यह साझेदारी केयर्न के पूर्वी तट स्थित अपतटीय ब्लॉक केजीडीडब्ल्यूएचपी-2017/1 में 3डी कंट्रोल्ड सोर्स इलेक्ट्रोमैग्नेटिक सर्वेक्षण कराने के लिए की गई है। यह तकनीक उपसतही प्रतिरोधकता को मैप करके हाइड्रोकार्बन की पहचान की सटीकता बढ़ाने में मदद करती है। ईएमजीएस का पोत 'अटलांटिक गार्जियन' इस समय ÷डीप ब्लू÷ स्रोत प्रणाली का उपयोग करके सर्वेक्षण के लिए डेटा एकत्र कर रहा है। यह डेटा हाल ही में पुनः संसाधित 3डी भूकंपीय (सीस्मिक) डेटा के साथ मिलाकर केजी ब्लॉक में संभावनाओं की पहचान करने, उन्हें प्राथमिकता देने और उपसतही मॉडल को और अधिक सटीक बनाने में मदद करेगा।

एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम घोषित, नीरज चोपड़ा नहीं लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली। भाला फेंक में मौजूदा विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा दक्षिण कोरिया के गुमी में 27 से 31 मई तक होने वाली एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भाग नहीं लेंगे। कोच्चि में फेडरेशन कप के समापन के बादभारतीय एथलेटिक्स महासंघ द्वारा घोषित टीम में टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता नीरज का नाम नहीं था। नीरज 24 मई को बेंगलुरु में नीरज चोपड़ा क्लासिक में भाग लेंगे।

200 मीटर : अनिमेष कुजूर, 800 मीटरः अनु कुमार, कृष्ण कुमार, 1500 मीटरः यूनुस शाह, 3000 मीटर स्टीपलचेजः अविनाश साबले, 5000 मीटरः गुलवीर सिंह, अभिषेक पाल, 10,000 मीटरः गुलवीर सिंह, सावन बरवाल, ट्रिपल जंपः प्रवीण चित्रवेल, अब्दुल्ला अबूबकर, ऊंची कूद- सर्वेश कुशारे, भाला फेंकः सचिन यादव, यश वीर सिंह, शॉट पुटः समरदीप सिंह, डेकाथलॉनः तेजस्विन शंकर, 20 किमी रेस वॉकः सर्विन सेबेस्टियन, अमित, 4×100 मीटरः प्रणव प्रमोद, अनिमेष कुजूर, मणिकांता होबलीधर, अमलान बोरगोहेन, तमिलरासु, रागुल कुमार, गुरिंदरवीर सिंह, 4×400 मीटरः विशाल टीके, जय कुमार, मनु टीएस, धर्मवीर चौधरी, रिंस जोसेफ, तुषार कांति, संतोष कुमार, मोहित कुमार।

...और कोहली ने जोड़ दिए थे हाथ, दिनेश कार्तिक बोले- मैं विराट के बारे में बात...

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बल्लेबाजी कोच दिनेश कार्तिक ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जीत के बाद स्टार बल्लेबाज विराट कोहली की प्रशंसा की। कार्तिक ने कहा कि 18 साल तक लगातार शानदार प्रदर्शन करना आसान नहीं है और आईपीएल में ऐसी निरंतरता के लिए मजबूत इच्छाशक्ति जरूरी है। कार्तिक का यह बयान उस वाक्ये के बाद आया है जिसमें सोशल मीडिया पर ऐसी वीडियोज वायरल हैं जिसमें वह कोहली को कुछ बोलते नजर आ रहे हैं तो वहीं, विराट उनकी बात नकारते हुए दिख रहे हैं। कोहली ने एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए आईपीएल 2025 के 42वें मैच में 42 गेंदों पर 70 रन बनाए थे और आरसीबी को 206 रनों के मजबूत स्कोर तक पहुंचाया था। कोहली शतक की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन जोफ्रा आर्चर ने उन्हें आउट कर दिया। आरसीबी द्वारा एक्स पर साझा किए गए एक वीडियो में कार्तिक ने कोहली की 18 साल की आईपीएल यात्रा में उनकी असाधारण निरंतरता की सराहना की। कार्तिक ने यह भी बताया कि कोहली ने स्वीकार किया कि बेंगलुरु में शुरुआती मैचों के बाद वह बेहतर फैसले ले सकते थे। दिनेश कार्तिक ने विराट कोहली की 18 साल की आईपीएल यात्रा की प्रशंसा करते हुए कहा कि इतने लंबे समय तक लगातार शानदार प्रदर्शन करना उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति को दर्शाता है। कार्तिक ने बताया कि कोहली ने बेंगलुरु में शुरुआती तीन मैचों के बाद स्वीकार किया कि वह बेहतर निर्णय ले सकते थे और प्रशंसकों की भावनाओं को गहराई से महसूस किया।

महिला त्रिकोणीय सीरीज के पहले मुकाबले में श्रीलंका से भिड़ेगा भारत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम रविवार को कोलंबो में महिला त्रिकोणीय श्रृंखला के पहले मुकाबले में श्रीलंका के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। यह सीरीज इस साल के अंत में भारत में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप की तैयारियों का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जहां खासतौर पर गेंदबाजी संयोजन को परखने पर जोर रहेगा। बल्लेबाजी विभाग फिलहाल काफी संतुलित और मजबूत नजर आ रहा है। इस सीरीज की तीसरी टीम दक्षिण अफ्रीका की है। भारतीय टीम इस समय तेज गेंदबाजी संसाधनों की चुनौती से जूझ रही है। रेणुका सिंह, पूजा वस्त्रकार और तीतास साधु चोटिल हैं, जिससे टीम को अरुंधति रेड्डी और ऑलराउंडर अमनजोत कौर पर निर्भर रहना पड़ रहा है। तेज गेंदबाजों के सीमित विकल्पों के बीच कप्तान हरमनप्रीत कौर युवा तेज गेंदबाज काश्वी गौतम को भी मौका

देकर परखना चाहेंगी। काश्वी ने हाल ही में महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में गुजरात जायंट्स के लिए शानदार प्रदर्शन किया था, जहां उन्होंने नौ मैचों में 6.45 की इकॉनमी रेट से 11 विकेट झटके थे। उनकी फॉर्म भारतीय टीम के लिए उत्साहजनक संकेत है। प्रेमदासा स्टेडियम की धीमी पिचों को देखते हुए भारतीय टीम का भरोसा स्पिनरों पर होगा। सीनियर ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा और स्नेह राणा के साथ मुंबई इंडियंस की बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी भी 50 ओवरों में से 30 ओवर तक गेंदबाजी कर सकती हैं। ऑलराउंडर अमनजोत और भी जरूरत पड़ने पर अपने ऑफ ब्रेक से गेंदबाजी आक्रमण को विविधता दे सकती हैं। टीम की बल्लेबाजी इकाई में कप्तान हरमनप्रीत और उप-कप्तान स्मृति मंधाना, पावर-हिटर ऋचा घोष, भरोसेमंद जेमिमा रोड्रिग्स और हरलीन देओल शामिल हैं, जो टीम को स्थिरता और आक्रामकता दोनों प्रदान करते हैं। हालांकि एक बार फिर शैफाली वर्मा को चयनकर्ताओं ने नजरअंदाज किया है, लेकिन दीप्ति शर्मा और अमनजोत कौर की ऑलराउंड क्षमताएं भारत को गहराई प्रदान करती हैं। सही दिन पर भारतीय टीम किसी भी प्रतिद्वंद्वी को आसानी से पटखनी दे सकती है। मेजबान श्रीलंका ने इस श्रृंखला के लिए अपनी टीम में छह बदलाव किए हैं, जिसमें चार अनकैप्ड खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। अनुभवी बाएं हाथ की स्पिनर इनोका रानावीरा की वापसी से टीम को मजबूती मिली है। उनके साथ सुगंधिका कुमारी, इनोशी प्रियदर्शनी और कविशा दिलहारी जैसे अन्य स्पिनर भी भारतीय बल्लेबाजों को चुनौती देने के लिए तैयार हैं। भारतीय टीम वेस्टइंडीज और आयरलैंड के खिलाफ अपने पिछले छह वनडे मुकाबले जीतकर इस त्रिकोणीय सीरीज में उतर रही है। ऐसे में आत्मविश्वास से लबरेज भारतीय महिला ब्रिगेड से एक दमदार शुरुआत की उम्मीद की जा रही है, ताकि विश्व कप की तैयारी को एक ठोस दिशा दी जा सके।

हैदराबाद से मिली हार के बाद धोनी ने कहा-हम 15-20 रन पीछे रह गए

एजेंसी

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को आईपीएल 2025 में एक और करारी हार झेलनी पड़ी। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के हाथों 5 विकेट से हार के बाद कप्तान एमएस धोनी ने माना कि उनकी टीम कम से कम 15-20 रन पीछे रह गई। इस हार के साथ सीएसके ने अपने 9 में से 7 मैच गंवा दिए हैं और अंक तालिका में सबसे नीचे बनी हुई है।धोनी ने मैच के बाद कहा, मुझे लगता है कि हमने लगातार विकेट गंवाए। पहली पारी में विकेट थोड़ा बेहतर था और 154 रन न्यायोचित स्कोर नहीं था। आठवें-नौवें ओवर के बाद पिच थोड़ा धीमा जरूर हुआ, लेकिन ऐसा कुछ असामान्य नहीं था। रनिंग बेहतर होती तो हम कुछ और रन जोड़ सकते थे। उन्होंने यह भी कहा कि गेंदबाजों ने कोशिश की, खासकर स्पिनरों ने अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन स्कोर छोटा था। धोनी ने टीम की एक बड़ी कमजोरी की ओर इशारा किया, उन्होंने कहा, हम मिडल ओवर्स में स्पिन के खिलाफ रन बनाने में संघर्ष कर रहे हैं। हमें या तो चतुराई से रन निकालने होंगे या बड़े शॉट लगाने होंगे। वहीं हम चूक रहे हैं। ये ओवर्स बेहद अहम होते हैं जहां 5-10 रन ज्यादा बन सकते हैं। जहां एक ओर टीम का मिडल ऑर्डर लड़खड़ाता रहा, वहीं 21 वर्षीय डेवाल्ड ब्रेविस ने पहली बार मौका मिलने पर प्रभावित किया। उन्होंने सिर्फ 25 गेंदों में 42 रन बनाए और चार छक्के उड़ाए। धोनी ने उनकी तारीफ करते हुए कहा, ब्रेविस ने शानदार बल्लेबाजी की। हमें मिडल ऑर्डर में इसी तरह की पारी की जरूरत थी।ये पहली बार था जब एसआरएच ने चेपॉक में सीएसके को हराया। इस सीज़न में सीएसके ने अपने पांच में से चार होम मैच गंवाए हैं। अब अगला मुकाबला 30 अप्रैल को चेपॉक में ही पंजाब किंग्स के खिलाफ है।

शैली सिंह ने तोड़ा 23 साल पुराना अंजू बॉबी जॉर्ज का रिकॉर्ड, बोलीं-यह तो बस शुरुआत है

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय एथलेटिक्स को नई ऊंचाइयों पर ले जाते हुए युवा लॉन्ग जम्पर शैली सिंह ने नेशनल फेडरेशन कप में धमाकेदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 6.64 मीटर की शानदार छलांग लगाकर दिग्गज एथलीट अंजू बॉबी जॉर्ज का 23 साल पुराना मीट रिकॉर्ड तोड़ते हुए देश का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया। इस ऐतिहासिक जीत के बाद शैली ने जो भावुक बयान दिया, उसने खेल प्रेमियों के दिल जीत लिए। रिकॉर्ड तोड़ने के बाद अपनी खुशी जाहिर करते हुए शैली सिंह ने एक आधिकारिक बयान में कहा,अंजू मैम का लंबे समय तक कायम रहा फेडरेशन कप रिकॉर्ड तोड़ना मेरे लिए गर्व का पल है। उनकी उपलब्धियां हमेशा मेरी प्रेरणा रही हैं और उनके नक्शेकदम पर चलना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सपना

रहा है। यह रिकॉर्ड 23 वर्षों तक बना रहा, जो उनकी महानता को दर्शाता है और आज इस विरासत का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात है। शैली ने कहा, यह तो बस शुरुआत है। मैं इस उपलब्धि से संतुष्ट नहीं हूं। मेरा सपना है कि मैं भारतीय एथलेटिक्स को और भी ऊंचाइयों तक ले जाऊं। मैं लगातार मेहनत करती रहूंगी ताकि देश का नाम अंतरराष्ट्रीय मंचों पर रोशन कर सकूं। वहीं, अपनी रिकॉर्डधारी शिष्या की उपलब्धि पर अंजू बॉबी जॉर्ज ने भी खुशी जताई और कहा, रिकॉर्ड टूटने के लिए ही होते हैं और शैली ने यह कारनामा कर दिखाया। उनकी तरक्की देखकर गर्व होता है। शैली भारतीय महिला एथलेटिक्स के उज्ज्वल भविष्य की मिसाल हैं।

शैली सिंह की यह ऐतिहासिक छलांग भारतीय एथलेटिक्स में एक नई उम्मीद की किरण लेकर आई है। उनका जुनून, आत्मविश्वास और कड़ी मेहनत इस बात का संकेत है कि भारतीय महिलाएं खेल जगत में वैश्विक मंच पर एक नई पहचान बनाने को तैयार हैं। कुछ ही दिन पहले, उत्तर प्रदेश की इस युवा एथलीट ने 6.45 मीटर की छलांग लगाकर एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप्स के 6.41 मीटर के क्वालीफाइंग मार्क को पार किया था। इसके बाद शुक्रवार (26 अप्रैल) को उन्होंने एर्नाकुलम के महाराजा कॉलेज ग्राउंड में इतिहास रचते हुए 6.64 मीटर की लंबी छलांग लगाई और अंजू बॉबी जॉर्ज का 2002 में बनाया गया 6.59 मीटर का मीट रिकॉर्ड तोड़ दिया। गौरतलब है कि शैली का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 6.76 मीटर का है, जो उन्होंने 2023 में हासिल किया था। यह भारत की महिला एथलीटों में दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रयास है, जो अब भी अंजू बॉबी जॉर्ज के राष्ट्रीय रिकॉर्ड 6.83 मीटर से थोड़ा पीछे है।

टीसीएस वर्ल्ड 10के बेंगलुरु में शामिल होने से पहले सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा-यह जीवन का उत्सव है

एजेंसी

बेंगलुरु। बेंगलुरु एक बार फिर दौड़ के उत्सव में डूबने को तैयार है। प्रतिष्ठित टीसीएस वर्ल्ड 10के बेंगलुरु के 17वें संस्करण का आयोजन रविवार को होने जा रहा है, जिसमें लगभग 35,000 प्रतिभागी भाग लेंगे। खास बात यह है कि इस बार लोकसभा सांसद तेजस्वी सूर्या भी इस विश्व एथलेटिक्स स्वर्ण मानक दौड़ में प्रतिभाग करेंगे। अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद दौड़ में भाग लेने के निर्णय के पीछे की प्रेरणा के बारे में पूछे जाने पर तेजस्वी सूर्या ने कहा, ऐसे कई लोग हैं जिनका जीवन मुझसे कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण है, फिर भी वे ऐसे धैर्य परीक्षण आयोजनों में भाग लेते हैं। मैंने उन महिलाओं को देखा है जो प्रसव के बाद, बच्चे की देखभाल करते हुए भी दौड़ में भाग लेती हैं। मैंने ऐसे लोगों को भी देखा है जो गंभीर बीमारियों, जीवन संकट से उबरकर दौड़ते हैं। ये सभी लोग हमें जीवन को नई आशा के साथ देखने की प्रेरणा देते हैं। 34 वर्षीय तेजस्वी ने बताया कि पिछले वर्ष गोवा में एक त्रैथलन प्रतियोगिता में मित्र के प्रोत्साहन से भाग लेने के बाद उन्हें धैर्यपूर्ण प्रतिस्पर्धाओं का शौक लग

गया। उन्होंने एक आधिकारिक बयान में कहा,व्यायाम सबसे बड़ा आनंद रसायन (डोपामिन) उत्पन्न करता है जो आप पा सकते हैं। यह सबसे स्वस्थ माध्यम से खुशी प्राप्त करने का छोटा मार्ग है और जीवन को देखने का एक नया दृष्टिकोण भी देता है। उन्होंने आगे कहा, यह जीवन का उत्सव है। दौड़ना, तैरना, अपने आराम क्षेत्र से बाहर निकलना-यह सब तभी संभव है जब आप जीवित हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि शारीरिक फिटनेस एक ऐसा कार्य है जिसे आप किसी और को नहीं सौंप सकते। जो परिश्रम आप करेंगे, उसका परिणाम आपको ही मिलेगा। जब उनसे पूछा गया कि शारीरिक फिटनेस से सीखे गए सबक वह अपने सार्वजनिक जीवन में कैसे अपनाते हैं, तो तेजस्वी ने स्पष्ट कहा, कुछ भी आसानी से और तुरंत नहीं मिलता। हर चीज के लिए धैर्य और सतत प्रयास करना आवश्यक है। आज की पीढ़ी त्वरित संतुष्टि की आदत से ग्रस्त है, जिसमें सामाजिक माध्यम (सोशल मीडिया) की बड़ी भूमिका है। लेकिन शारीरिक फिटनेस में कोई त्वरित मार्ग नहीं है। यदि आपको 10 किलोमीटर दौड़ पूरी करनी है, तो उसके लिए आपको पहले से ही नियमित अभ्यास करना पड़ेगा। टीसीएस वर्ल्ड 10के बेंगलुरु 2025 में इस वर्ष भी जोश और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा, जहां हर प्रतिभागी अपने कदमों से जीवन की ऊर्जा का उत्सव मनाता दिखाई देगा।

कोपा डेल रे फाइनल 2025: रियल को तीसरी शर्मनाक हार देने उतरेगी बार्सिलोना, सेविला में होगा महामुकाबला!

एजेंसी

नई दिल्ली। कोपा डेल रे 2025 का फाइनल मुकाबला शनिवार को (भारतीय समयानुसार रविवार) फुटबॉल की दो सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्वी टीमों–बार्सिलोना और रियल मैड्रिड–के बीच खेला जाएगा। शानदार फॉर्म में चल रही बार्सिलोना जहां सीज़न में रियल को तीसरी बार हराने का सपना देख रही है, वहीं संघर्ष कर रही रियल मैड्रिड की नज़र एक ट्रॉफीलेस सीज़न से बचने और प्रतिष्ठा बचाने पर होगी।बार्सिलोना ने इस सीज़न में रियल मैड्रिड को दो बड़े मुकाबलों में करारी शिकस्त दी है। अक्टूबर में ला लीगा के तहत सैंटियागो बर्नब्यू स्टेडियम में 4-0 की जीत और जनवरी में सऊदी अरब में खेले गए स्पेनिश सुपर कप फाइनल में 5-2 से रियल को हराकर

बार्सा ने अपना दबदबा साफ कर दिया है। दोनों टीमें सेविला के प्रतिष्ठित ला कार्तूजा स्टेडियम में कोपा डेल रे फाइनल के लिए भिड़ेंगी। यह आठवीं बार होगा जब बार्सिलोना और रियल मैड्रिड इस टूर्नामेंट के फाइनल में आमने-सामने होंगी। अब तक के सात फाइनल में रियल ने चार और बार्सिलोना ने तीन बार जीत हासिल की है। 2011 में जोसे मोरिन्हो की कोचिंग में रियल मैड्रिड ने 18 साल के लंबे इंतजार के बाद बार्सिलोना को एक्स्ट्रा टाइम में 1-0 से हराकर ट्रॉफी जीती थी, जिसमें क्रिस्टियानो रोनाल्डो का हेडर गोल ऐतिहासिक बन गया। 2014 का फाइनल भी किसी रोमांचक फिल्म से कम नहीं था, जब गैरेथ बेल ने बाएं किनारे से करीब 50 मीटर की दौड़ लगाकर शानदार गोल दागा और अपनी टीम को 2-1 से जीत दिलाई। रियल मैड्रिड ने कोपा डेल रे खिताब 1936, 1975, 2011 और 2014 में जीता है, जबकि बार्सिलोना ने 1968, 1983 और 1990 में ट्रॉफी अपने नाम की है। बार्सिलोना अब तक 31 बार कोपा डेल रे जीत चुकी है।

टीसीएस वर्ल्ड 10के बेंगलुरु: चेप्टेगेई की वापसी, करियर के नए अध्याय की शुरुआत

एजेंसी

बेंगलुरु। बेंगलुरु की सड़कों से शुरू हुआ जोशुआ चेप्टेगेई का अंतरराष्ट्रीय सफर अब एक बार फिर इसी शहर में नया मोड़ लेने जा रहा है। दो बार के ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट और वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर चेप्टेगेई 11 साल बाद टीसीएस वर्ल्ड 10के में हिस्सा ले रहे हैं और इस दौड़ को वे अपने करियर के नए अध्याय की शुरुआत मानते हैं। जोशुआ चेप्टेगेई के लिए बेंगलुरु और टीसीएस वर्ल्ड 10के इमोशनल मायने रखते हैं। साल 2014 में यह उनकी पहली विदेश यात्रा थी और यहीं से उन्हें आत्मविश्वास मिला था, जिसके दम पर उन्होंने उसी साल वर्ल्ड जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 10,000 मीटर का गोल्ड जीता था।

अब रोड रेस है प्राथमिकता

28 वर्षीय चेप्टेगेई अब ट्रैक को अलविदा कहकर रोड रेस पर फोकस कर रहे हैं। उन्होंने एक बयान में कहा, ÷मैंने ट्रैक पर काफी कुछ हासिल किया है। अब समय है आगे बढ़ने का। करियर के इस नए पड़ाव पर मुझे लगा कि मुझे वहीं से शुरुआत करनी चाहिए जहां से सब कुछ शुरू हुआ था - बेंगलुरु। चेप्टेगेई ने 2024 पेरिस ओलंपिक में 10,000 मीटर में गोल्ड जीत को अपने करियर की सबसे खास उपलब्धि बताया। पिछली बार सिल्वर से संतोष करने वाले चैंपियन ने कहा, 10,000 मीटर मेरी सबसे पसंदीदा रेस है और मैं इसे बिना ओलंपिक गोल्ड के नहीं छोड़ सकता था।

योग को खेल के रूप में पहचान दिलाने की दिशा में बड़ा कदम, एशियन योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप का हुआ भव्य शुभारंभ

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी स्थित केडी जाधव इंडोर एरीना आज शाम एक ऐतिहासिक पल का साक्षी बना, जब 2वीं एशियन योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप का भव्य शुभारंभ हुआ। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारतीय खेल प्राधिकरण (साई), योगासन भारत और एशियन योगासन फेडरेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस आयोजन में 20 से अधिक एशियाई देशों के 200 से ज्यादा उत्कृष्ट खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने किया। उन्होंने कहा, ÷योग हमारे उपनिषदों की अनमोल देन है, जिसे हमारे ऋषियों ने संजोया और पूरे विश्व को एकता, स्वास्थ्य और अनुशासन का मार्ग दिखाया। आज योगासन स्पोर्ट जैसे आयोजनों के जरिए हम इस प्राचीन ज्ञान को वैश्विक आंदोलन में बदल रहे हैं। मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि

आने वाले समय में योगासन ओलंपिक स्तर पर एक मान्यता प्राप्त खेल के रूप में उभरेगा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों और दिव्यांग एथलीट्स के राष्ट्रगान ने बांधा समां शुभारंभ समारोह में पारंपरिक दीप प्रज्वलन और दिव्यांग खिलाड़ियों द्वारा प्रस्तुत राष्ट्रगान ने सभी का दिल जीत लिया। इसके बाद अरवाचिन स्कूल और ध्रुव ग्लोबल स्कूल के छात्रों ने योग की आध्यात्मिक और शारीरिक भावना को दर्शाते हुए सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। विशेष अतिथि के रूप में वर्ल्ड योगासन के अध्यक्ष योगऋषि स्वामी रामदेव ने अपने संबोधन में कहा, ÷योगासन केवल एक शारीरिक क्रिया नहीं है, यह शरीर, इंद्रियों और मन को परिष्कृत करने की यात्रा है। जब इसे निरंतरता और श्रद्धा के साथ किया जाता है, तब यह साधक को दिव्यता की ओर ले जाता है। योग को खेल के रूप में अपनाना एक अच्छी शुरुआत है, लेकिन इसका उद्देश्य केवल पदक नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और वैश्विक प्रेरणा होना चाहिए। समारोह में सभी प्रतिभागी देशों के कप्तानों का परिचय कराया गया और गणमान्य व्यक्तियों के साथ स्मृति चित्र भी लिए गए। जापान, चीन, ईरान, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड, मलेशिया, यूएई समेत कई देशों की उपस्थिति ने एशिया में योगासन की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाया।

पाकिस्तान की पूर्व कप्तान निदा डार ने राष्ट्रीय चयन से वापस लिया नाम

कराची । पाकिस्तान की महिला टीम की अनुभवी खिलाड़ी निदा डार ने मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण राष्ट्रीय चयन से नाम वापस ले लिया। पाकिस्तान क्रिकेट में अपनी तरह की इस पहली घटना में राष्ट्रीय महिला टीम की पूर्व कप्तान 39 वर्षीय निदा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि उन्होंने क्रिकेट से ब्रेक लिया है। निदा ने लिखा, 'पिछले कुछ महीनों में मेरे आसपास व्यक्तिगत और पेशेवर रूप से बहुत कुछ हुआ है, जिसने मेरे मानसिक स्वास्थ्य पर असर डाला है। मैंने ऐसे में खुद पर ध्यान देने के लिए क्रिकेट से ब्रेक लेने का फैसला किया है। मैं सभी से इस दौरान मेरी निजता का सम्मान करने की अनुरोध करती हूं। हरफनमौला निदा पाकिस्तान महिला क्रिकेट में सबसे पहचाने जाने वाले चेहरों में से एक है।

आईपीएल 2025: सनराइजर्स हैदराबाद ने चेन्नई को 5 विकेट से दी मात, हर्षल पटेल चमके

एजेंसी

चेपॉक(चेन्नई)। चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के एक रोमांचक मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने चेन्नई सुपर किंग्स को 5 विकेट से हराकर सीजन की तीसरी जीत दर्ज की। मैच में हर्षल पटेल ने 4 विकेट लेकर मैच का रुख पलट दिया। हैदराबाद ने यह मुकाबला 8 गेंद शेष रहते अपने नाम कर लिया।

हैदराबाद की शुरुआत लड़खड़ाई, ईशान और रेड्डी ने संभाली पारी

155 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी हैदराबाद को पहले ही ओवर में बड़ा झटका लगा। खलील अहमद ने अभिषेक शर्मा को शून्य पर आउट कर टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। ट्रेविस हेड (19) और हेनरिक क्लासेन (7) भी जल्दी पवेलियन लौट गए। ईशान किशन ने 44 रनों की अहम पारी खेली लेकिन नूर अहमद ने उन्हें और अनिकेत वर्मा (19) को आउट कर चेन्नई की वापसी की उम्मीदें जगा दीं।

हालांकि, अंत में नीतीश रेड्डी (19) और कामिंदु मेंडिस (32) ने सूझबूझ भरी बल्लेबाजी करते हुए टीम को आठ गेंद शेष रहते पांच विकेट से जीत दिला दी। दोनों नाबाद लौटे।

चेन्नई की बल्लेबाजी रही फीकी, ब्रेविस अर्धशतक से चूके

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई की शुरुआत बेहद खराब रही। मोहम्मद शमी ने पहली गेंद पर शेख रशीद को शून्य पर आउट किया। सैम करन (6), आयुष म्हात्रे (30), दीपक हुड्डा (22) और रवींद्र जडेजा (21) ने छोटे-छोटे योगदान दिए लेकिन कोई भी बड़ी पारी नहीं खेल सका।

डेवाल्ड ब्रेविस ने 42 रन बनाकर सबसे ज्यादा रन बनाए। अपने 400वें टी20 मैच में उतरे एमएस धोनी सिर्फ 6 रन बना सके। पूरी टीम 20 ओवर में 154 रन ही बना सकी।

हर्षल पटेल की घातक गेंदबाज़ी, चार विकेट झटके

सनराइजर्स हैदराबाद की तरफ से हर्षल पटेल सबसे सफल गेंदबाज़ रहे। उन्होंने चार विकेट चटकाए और चेन्नई की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। पैट कमिंस और जयदेव उनादकट को दो-दो विकेट मिले जबकि मोहम्मद शमी और कामिंदु मेंडिस को एक-एक सफलता मिली।

मैड्रिड ओपन 2025:सबालेंका ने जीत के साथ की शुरुआत, ज्वेरेव चमके, ओंस जबूर बाहर

एजेंसी

मैड्रिड। वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका ने मैड्रिड ओपन में अपने खिताब की रक्षा की शुरुआत शानदार अंदाज में की। उन्होंने दूसरे दौर में रूस की अन्ना ब्लिंकोवा को 6-3, 6-4 से हराया। सबालेंका की यह इस टूर्नामेंट में कुल 18वीं जीत रही, जबकि उन्हें सिर्फ 4 बार हार मिली है। वह 2021 और 2023 में यह खिताब जीत चुकी हैं और पिछले साल स्वियातेक के खिलाफ उपविजेता रही थीं। मैच की शुरुआत में ही सबालेंका ने 5-0 की बढ़त बना ली थी। हालांकि उन्होंने एक ब्रेक गंवाया, लेकिन 48वें मिनट में तीसरे सेट प्वाइंट पर पहला सेट अपने नाम किया। दूसरा सेट पूरी तरह एकतरफा रहा, जिसमें उन्होंने शुरुआती ब्रेक के बाद बढ़त बनाए रखी। अब तीसरे दौर में उनका सामना एलिस मर्टेंस या कोलंबिया की कैमिला ओसोरियो से होगा।

क्ले पर भी सबालेंका का जलवा जारी: हालांकि सबालेंका के तीनों ग्रैंड स्लैम खिताब हार्ड कोर्ट पर आए हैं, लेकिन उन्होंने क्ले कोर्ट पर भी दो फाइनल जीतकर अपनी ताकत साबित की है। उन्होंने माना कि फ्रेंच ओपन उनके लिए चुनौतीपूर्ण रहा है, जहां वह 2023 में सेमीफाइनल और 2024 में क्वार्टरफाइनल में हार गई थीं। उन्होंने कहा, हर बार जब मैं रोलां गैरोज़ जाती हूं, तो यह एक चुनौती होती है, लेकिन मुझे ऐसी चुनौतियां पसंद हैं। उम्मीद है कि एक दिन वह खूबसूरत ट्रॉफी मेरी कलेक्शन में होगी।'

ओंस जबूर पहले ही दौर में बाहर, सक्कारी का फॉर्म में लौटने का संकेत

2022 की चैंपियन ट्यूनीशिया की ओंस जबूर पहले ही दौर में जापान की मोयुका उचिजिमा से 4-6, 6-3, 6-4 से हारकर बाहर हो गईं। वहीं ग्रीस की मारिया सक्कारी ने 29वीं सीड माग्दा लिनेट को 7-6(5), 6-3 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई।

ज्वेरेव का दबदबा कायम, मैड्रिड कोर्ट को बताया पसंदीदा

पुरुष वर्ग में जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने स्पेन के रॉबर्टो बॉतिस्ता अगुत को 6-2, 6-2 से हराया। उन्होंने मैच में 32 विनर्स लगाए और सिर्फ 24 अनफोर्स्ड एरर किए। दो बार के मैड्रिड चैंपियन ज्वेरेव ने कहा, 'यह कोर्ट मेरी फेवरेट सेंटर कोर्ट है। मैंने यहां पूरी जिंदगी में सिर्फ दो मैच हारे हैं और उम्मीद है कि यह सिलसिला अगले 10 दिनों तक जारी रहेगा।' अगला मुकाबला उनका नूनो बोरजेस या डेविडोविच फोकिना से होगा।

फेलिक्स ऑगर-अलियासिम की हार, अर्जेंटीनियाई खिलाड़ियों का जलवा: पिछले साल के फाइनलिस्ट फेलिक्स ऑगर-अलियासिम पहले ही दौर में अर्जेंटीना के जुआन मैनुअल सेरुंडोलो से 7-6(5), 6-4 से हार गए। इस हार के बाद वह टॉप 25 रैंकिंग से बाहर हो सकते हैं। वहीं, उनके भाई फ्रांसिस्को सेरुंडोलो ने क्वालिफायर हेरोल्ड मायोट को 6-3, 6-4 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई। अब उनका सामना अपने ही देश के फ्रांसिस्को कोमेसाना से होगा, जिन्होंने 13वीं सीड आर्थर फिल्स को 7-6(4), 6-4 से हराया।

फ्रांस के आर्थर फिल्स ने क्ले कोर्ट पर पहली बार लागू हुई लाइव इलेक्ट्रॉनिक लाइन कॉलिंग की आलोचना की। उन्होंने कहा कि कोर्ट पर दिख रही बॉल मार्क और वीडियो में दिखाई जा रही पोजीशन मेल नहीं खातीं। कोमेसाना ने भी तकनीक की सटीकता पर सवाल उठाए, लेकिन फिर भी इसे लाइन जज और चेयर अंपायर से बेहतर विकल्प बताया।

'मां हमारी बेटी बनकर पैदा होगी', ठग सुकेश ने

जैकलीन फर्नांडीज

को फिर लिखा लव लेटर, मां की मौत पर कही ये बात

200 करोड़ की ठगी का आरोपी सुकेश चंद्रशेखर अक्सर ही बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडीज के लिए अपना प्यार जाहिर करते रहता है. अब उसने एक्ट्रेस को बाली द्वीप में ट्यूलिप गार्डन गिफ्ट किया है. इन दिनों सुकेश 200 करोड़ रुपये की जबरन वसूली के केस में दिल्ली की जेल में सजा काट रहा है. कथित तौर पर उसके जैकलीन से संबंध रहे हैं. दोनों की प्राइवेट तस्वीरें भी वायरल हुई थीं जिन्होंने सोशल मीडिया पर बवाल मचा दिया था.

सुकेश संग अपने रिश्ते पर जैकलीन ने कभी खुले तौर पर बात नहीं की. उन्होंने सुकेश पर गुमराह करने और धोखे में रखने के आरोप लगाए थे. हालांकि सुकेश के दिल में अब भी एक्ट्रेस के लिए बेशुमार प्यार हैं. वो जैकलीन के लिए आए दिन जेल से लेटर लिखता है. अब उसने फिर से एक्ट्रेस के लिए खत लिखा है जिसमें उसने बताया कि एक्ट्रेस की दिवंगत मां किम फर्नांडीज की याद में उसने जैकलीन को गार्डन गिफ्ट किया है. साथ ही कहा कि उनकी दिवंगत मां हमारी बेटी के रूप में जन्म लेंगी.

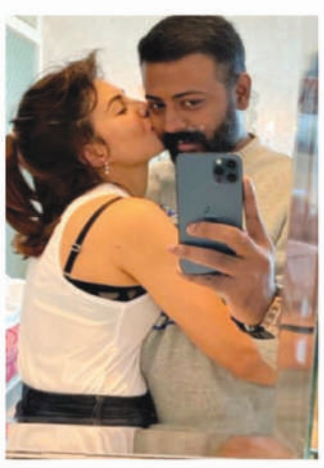

सुकेश ने जैकलीन को गिफ्ट किया गार्डन

जैकलीन की मां का इसी महीने की 6 तारीख को हार्ट अटैक के बाद निधन हो गया था. इसके बाद सुकेश ने उनकी मां के प्रति संवेदना व्यक्त की और एक खत एक्ट्रेस के नाम लिखा. खत में सुकेश ने लिखा, मैंने बाली में उस द्वीप का एक बड़ा हिस्सा खरीदा है, जहां खेती चल रही थी, अब यह एक पूरी तरह से प्राइवेट गार्डन है, जिसका नाम किम गार्डन है और इसका मालिकाना हक जैकलीन फर्नांडीज का है. मैं आज आपको ईस्टर पर मां की याद में यह गार्डन गिफ्ट में दे रहा हूं. बेबी, मैं आपको सांत्वना देने और यह एहसास दिलाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा हूं कि मैं इस बुरे समय में आपके साथ हूं. आपके आस-पास के लोग वहाँ होने का दिखावा करेंगे, लेकिन केवल अपने उद्देश्यों के लिए, मुझे यकीन है कि आपको ये पता है.

हमारी बेटी के रूप में जन्म लेंगी मां

सुकेश ने आगे लिखा, मां निश्चित रूप से हमारी बेटी के रूप में पुनर्जन्म लेंगी. बेबी, मैं सच में चाहता हूं कि आप अपने ईस्टर उपहार को देखने के लिए पिताजी के साथ जाए, जो मैं आज आपको दे रहा हूं, जो मां को डेडिकेट है, क्योंकि आप निश्चित रूप से उनकी उपस्थिति महसूस करेंगे.

मैं ज्यादा दर्द में हूं

सुकेश ने खत में आगे कहा, बेबी गर्ल, माँ 'हमारे साथ', 'हमारे अंदर' और हमारे अभिभावक के रूप में हमारे आसपास हैं. मुझे पता है कि तुम किस दर्द से गुजर रही हो, लेकिन मेरे प्यार, मैं ज्यादा दर्द में हूं. क्योंकि, बहुत ही कम समय में, मैं तुम सभी की तुलना में मां के सबसे करीब हो गया. यह पचाना बहुत मुश्किल है कि वह बहुत जल्दी चली गई, और मैं उनके साथ, वहां नहीं था. याद करो मां मुझसे क्या कहती थी और 2021 में मेरे बर्थडे पर उन्होंने मुझे जो नोट लिखा था, मैं मां से किए गए वादे पर कायम रहूंगा.

तलाक के बाद एक्स वाइफ को किस्तों में चुकाने पड़े पैसे, अब 1200 करोड़ का मालिक है ये सुपरस्टार

बॉलीवुड के कई एक्टर्स को तलाक के बाद एक्स वाइफ को एलिमनी के रूप में करोड़ों रुपये का भुगतान करना पड़ा. इस एक्टर ने भी अपनी एक्स वाइफ को सालों पहले तलाक के बाद करोड़ों रुपये चुकाए थे. हालांकि एक्टर को ये रकम किस्तों में चुकानी पड़ी थी. लेकिन आज ये अभिनेता 1200 करोड़ रुपये की नेटवर्थ का मालिक है. यहां बात हो रही है जाने-माने एक्टर सैफ अली खान की.सैफ अली खान ने बॉलीवुड में साल 1993 में आई फिल्म 'परंपरा' से अपनी शुरुआत की थी. तब वो करीब 22 साल के थे. हालांकि डेब्यू से करीब दो साल पहले ही उन्होंने मशहूर एक्ट्रेस अमृता सिंह से शादी करके घर बसा लिया था. लेकिन दोनों का रिश्ता 13 सालों के बाद खत्म हो गया. तलाक के बाद सैफ ने अमृता को पांच करोड़ रुपये दिए थे. लेकिन उन्हें किस्तों का सहारा लेना पड़ा.

1991 में हुई थी सैफ-अमृता की शादी

अमृता सिंह 80 और 90 के दशक की मशहूर एक्ट्रेस रह चुकी हैं. अपने दौर में उन्होंने कई शानदार फिल्मों में काम किया था. अमृता का दिल 32 साल की उम्र में सिर्फ 20 साल के सैफ अली खान पर आ गया था. दोनों ने परिवार वालों के खिलाफ अपने प्यार की खातिर 1991 में शादी कर ली थी.

2004 में हो गया था तलाक

शादी के बाद सैफ और अमृता ने दो बच्चों बेटी सारा अली खान और बेटे इब्राहिम अली खान का वेलकम किया था. दोनों साथ में एक खुशहाल लाइफ जी रहे थे. लेकिन शादी के कई सालों बाद दोनों ने तलाक लेकर अलग होने का फैसला लिया था. कपल ने 2004 में तलाक के साथ अपना रिश्ता खत्म कर लिया.

सैफ ने अमृता को किस्तों में चुकाए पैसे

तलाक के बाद सारा और इब्राहिम की कस्टडी अमृता को मिली थी. वहीं बताया जाता है कि एक्ट्रेस ने एलिमनी के रूप में 5 करोड़ रुपये की मांग की थी. वहीं सैफ बेटे इब्राहिम के 18 साल के होने तक अमृता को हर महीने एक लाख रुपये देने पर भी राजी हुए थे. लेकिन 5 करोड़ रुपये की रकम पर उन्होंने कहा था कि वो शाहरुख खान नहीं हैं और उनके पास इतना पैसा नहीं है. हालांकि एक्टर ने इसके लिए भी हामी भरी थी. बाद में उन्होंने दो किस्तों में अमृता को पांच करोड़ रुपये का भुगतान किया था.

तैराकी से लेकर कथक और जापानी भाषा तक, 'मिर्जापुर' की स्वीटी के टैलेंट के आगे कई बड़ी एक्ट्रेसेस हो जाएंगी फेल, शाहरुख की फिल्म से क्या था डेब्यू

सचिन पिलगांवकर और सुप्रिया पिलगांवकर की राह पर चलते हुए उनकी बेटी श्रिया पिलगांवकर ने भी एक्टिंग में ही अपना करियर बनाया. यूं तो श्रिया ने अपने करियर में कई तरह के किरदार निभाए हैं, लेकिन प्राइम वीडियो की सीरीज 'मिर्जापुर' में निभाया गया उनका स्वीटी का किरदार काफी पॉपुलर है. इस सीरीज में वो पंकज त्रिपाठी, अली फजल और दिव्येंदु शर्मा जैसे सितारों के साथ दिखीं.श्रिया अपने चाहने वालों के बीच 'मिर्जापुर' की स्वीटी के नाम से फेमस हैं. आज यानी 25 अप्रैल को उनका बर्थडे है. वो अपना 36वां जन्मदिन मना रही हैं. इस मौके पर हम आपको उनके बारे में कुछ ऐसी चीजें बता रहे हैं, जो शायद ही आप जानते हों.

शाहरुख खान की फिल्म से बॉलीवुड डेब्यू

श्रिया ने अपना एक्टिंग करियर साल 2013 में आई मराठी फिल्म 'एकुलती एक' से शुरू किया था. उसके तीन साल के बाद उन्हें उनकी पहली बॉलीवुड फिल्म मिली. फिल्म का नाम है 'फैन', जो साल 2016 में आई थी. मनीष शर्मा के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में शाहरुख खान लीड रोल में थे. श्रिया ने इस फिल्म में नेहा नाम का कैरेक्टर प्ले किया था.

मराठी और बॉलीवुड डेब्यू से पहले उन्होंने टीवी शो के लिए काम किया था. श्रिया जब महज पांच साल की थीं उस समय वो 'तू तू मैं मैं' नाम के सीरियल में दिखी थीं. इस सीरियल में उनके माता-पिता लीड रोल में थे. ये टीवी शो साल 1994 में आया था. श्रिया के बारे में कहा जाता है कि बचपन में पढ़ाई के साथ-साथ वो स्पोर्ट्स में भी अच्छी थीं. वो तैराक भी रह चुकीं हैं. उनके बारे में ऐसा बताया जाता है कि स्कूल के समय में स्विमिंग में उन्होंने कई मेडल्स अपने नाम किए थे.

अगर बात श्रिया के एजुकेशन की करें तो वो समाजशास्त्र में ग्रेजुएट हैं. इतना ही उन्होंने फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, पुणे से एक्टिंग में डिप्लोमा भी किया है. एक्टिंग का कोर्स करने के साथ-साथ वो कथक की ट्रेनिंग भी ले चुके हैं.

जापानी भाषा जानती हैं श्रिया

आज भले ही श्रिया एक्टिंग की दुनिया में हैं और अपनी उम्दा अदाकारी के जरिए लोगों का दिल जीत रही हैं, लेकिन उन्होंने खुद एक बार बताया था कि वो जापानी भाषा की ट्रासलेटर बनना चाहती थीं. श्रिया की इस भाषा में काफी अच्छी पकड़ है. इन बातों को देखते हुए अगर ऐसा कहें कि श्रिया टैलेंट के मामले में कई एक्ट्रेसेस को टक्कर देती हैं, तो ये कहना बिल्कुल भी गलत नहीं होगा.

835 करोड़ की रामायण के लिए

साई पल्लवी

नहीं थीं पहली पसंद, ये एक्ट्रेस बनने वाली थीं सीता

नितेश तिवारी की रामायण मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक होने वाली हैं. रणबीर कपूर रामायण में भगवान राम के किरदार में नजर आने वाले हैं. वहीं मेकर्स इस बात का ऐलान कर चुके हैं कि रामायण को दो पार्ट में बनाया जाएगा और साल 2026-2027 की दिवाली के मौके पर इन्हें रिलीज किया जाएगा. फैन्स बेसब्री के साथ रामायण की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं. वहीं मेकर्स और स्टार कास्ट इस पर जमकर काम भी कर रहे हैं.

नितेश तिवारी की 835 करोड़ के बजट में बन रही फिल्म रामायण को लेकर हर दिन कई अपडेट्स सामने आ रहे हैं. अब खबर आई है कि फिल्म में सीता के किरदार के लिए पहले किसी और एक्ट्रेस को पूछा गया था. फिल्म में साई पल्लवी सीता के रोल में हैं. लेकिन वो इसके लिए मेकर्स की पहली पसंद नहीं थीं.

श्रीनिधी शेट्टी बनने वाली थीं सीता ?

पिंकविला की खबर के मुताबिक, सीता के रोल के लिए पहले केजीएफ एक्ट्रेस श्रीनिधी शेट्टी को अप्रोच किया गया था. खबर ये भी है कि उनका स्क्रीन टेस्ट भी लिया जा चुका था. सिद्धार्थ कनन के साथ एक इंटरव्यू में श्रीनिधी ने बताया कि इस फिल्म में सीता का रोल पहले उनके पास आया था, लेकिन उन्होंने इस रोल के लिए मना कर दिया, जिसके बाद ये किरदार साई पल्लवी के पास चला गया.

इसलिए ठुकरा दिया ऑफर

श्रीनिधी ने बताया कि ये रोल मुझे ऑफर हुआ था, लेकिन मैंने मना कर दिया, क्योंकि केजीएफ में लोग मुझे और यश को एकसाथ देख चुके थे और पसंद भी कर रहे थे, ऐसे में इस फिल्म में उनके ऑपोजिट काम करना शायद लोगों को पसंद ना आता.

आपको बता दें कि फिल्म में केजीएफ स्टार यश रावण के किरदार में नजर आने वाले हैं. फिल्म के पहले पार्ट की शूटिंग लगभग खत्म हो चुकी है. अब फिल्म के दूसरे पार्ट की भी शूटिंग जल्द शुरू की जाएगी. वहीं श्रीनिधी भी केजीएफ 3 के काम में बिजी हैं.

दिल्ली सरकार की पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान में सहयोग की अपील

नई दिल्ली/एजेंसी
दिल्ली सरकार ने अवैध रूप से रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान में सहयोग करने के लिए दिल्लीवासियों से अपील की है। सरकार का कहना है कि किसी को संदिग्ध पाकिस्तानी नागरिक की जानकारी मिले, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। दिल्ली सरकार के गृह मंत्री आशीष सूद ने कहा है कि दिल्ली में अवैध प्रवास से उत्पन्न खतरे को गंभीरता से लिया गया है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने में दिल्लीवासियों का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। इस अपील के साथ ही दिल्ली पुलिस को भी कड़े निर्देश दिए गए हैं। दिल्ली पुलिस को कहा गया है कि वह अवैध रूप से रह रहे पाकिस्तानियों की पहचान करे। सभी संबंधित सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वय कर निष्कासन की कार्रवाई तेजी से हो। सूद ने कहा है कि भारत सरकार के निर्देशों के अनुरूप निष्कासन की पूरी प्रक्रिया चलाई जा रही है। भारत सरकार ने हाल ही में पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द करने का फैसला लिया है। केवल हिन्दू शरणार्थियों को मिले दीर्घकालिक वीजा और राजनयिक वीजा को इस फैसले से छूट दी गई है। इसके लिए 26 से 29 अप्रैल तक भारत छोड़ने की अंतिम तारीख तय की गई है। इसके बाद किसी पाकिस्तानी नागरिक को नया वीजा जारी नहीं किया जाएगा।

इस्पात हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़, कोयला और खदानें मजबूत आधार :रेड्डी

नई दिल्ली/एजेंसी
केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने शनिवार को कहा कि इस्पात भारत की आर्थिक प्रगति की रीढ़ है। यह विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय विजन का एक महत्वपूर्ण प्रवर्तक है। कोयला गैसीकरण को एक विकल्प के रूप में बढ़ावा दिया जा रहा है, इसे 2030 तक 100 मीट्रिक टन करने का लक्ष्य है। कैसे भारत बुनियादी ढांचे के विकास में नए वैश्विक मानक स्थापित कर रहा है। जम्मू-कश्मीर में स्थित चिनाब ब्रिज, जो दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल है, से लेकर तमिलनाडु में ऐतिहासिक पम्बन ब्रिज तक, यह सब इस्पात क्षेत्र की बढ़ती ताकत के कारण संभव हुआ है।

लोकतांत्रिक राजनीति मौलिक रूप से बदल गई: राहुल गांधी

'आक्रामक राजनीतिक माहौल में विपक्ष को कुचलना और मीडिया को कमजोर करना ही लक्ष्य'

तेलंगाना/एजेंसी
विपक्ष के नेता राहुल गांधी शनिवार को भारत समिट 2025 में भाग लेने के लिए तेलंगाना पहुंचे। इस दौरान सम्मेलन को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि दुनिया भर में लोकतांत्रिक राजनीति मौलिक रूप से बदल गई है। दशकों पहले जो नियम लागू थे, वे अब लागू नहीं होते। वैश्विक न्याय, समानता और प्रगतिशील सहयोग पर सार्थक संवाद को बढ़ावा देने पर केंद्रित दो दिवसीय सम्मेलन भारत शिखर सम्मेलन शुक्रवार को शुरू हुआ था। राहुल गांधी ने कहा कि आज के आक्रामक राजनीतिक माहौल में विपक्ष को कुचलना और मीडिया को कमजोर करना ही लक्ष्य बन गया है।
भारत जोड़ो यात्रा के दौरान अपने अनुभवों को याद करते हुए गांधी ने कहा कि उन्हें एहसास हुआ कि नेता लोगों की आवाज समझने में विफल रहे हैं। उन्होंने कहा, राजनीति, लोकतांत्रिक राजनीति पूरी दुनिया में मौलिक रूप से बदल गई है। मैं कहूंगा कि एक दशक पहले जो नियम लागू थे, वे अब लागू नहीं होते। तो पाता हूं कि जो चीजें 10 साल पहले प्रभावी थी, जो साधन 10 साल पहले कारगर थे, वे अब कारगर नहीं हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, इसलिए एक तरह से पुराने नेता खत्म हो चुके हैं और एक नए तरह के नेता को गढ़ा जाना चाहिए।

कोर्ट ने सोनिया-राहुल को नोटिस जारी करने से किया इनकार

नई दिल्ली: दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य को नोटिस जारी करने से फिलहाल इनकार कर दिया है। अदालत ने अगली सुनवाई 2 मई को तय की है। अदालत ने ईडी से और अधिक प्रासंगिक दस्तावेज लाने और खामियों को दूर करने को कहा है। प्रवर्तन निदेशालय ने तर्क दिया कि नए कानूनी प्रावधानों के तहत, आरोपी को सुने बिना शिकायत (आरोप पत्र) पर संज्ञान नहीं लिया जा सकता। ईडी ने अदालत से आग्रह किया कि हम नहीं चाहते कि यह आदेश लंबा खिंचे।

संधु जल समझौता निलंबित करने पर बिलबिला रहा पाकिस्तान

नई दिल्ली/एजेंसी
सिंधु जल समझौता निलंबित करने के भारत के फैसले से पाकिस्तान बिलबिला उठा है। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता व पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी के सिंधु में या तो पानी बहेगा या फिर खून बहेगा की गीदड़ भभकी के बाद शनिवार को पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने भी पूरी ताकत से करारा जवाब देने का दंभ भरा है। इसके साथ ही पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत की कार्रवाई से डरा पाकिस्तान इसमें संलिप्तता से पूरी तरह से इनकार करते हुए तीसरे पक्ष से जांच कराने का प्रस्ताव किया है। सिंधु जल समझौते के निलंबित करने से पाकिस्तान की ओर बह रहे पानी में भले ही तत्काल कोई फर्क नहीं पड़ा है। लेकिन आने वाले समय में इसके प्रभाव की कल्पना से ही पाकिस्तान कांप उठा है। शाहबाज शरीफ ने सिंधु नदी को पाकिस्तान की जीवन रेखा बताया है। आंकड़ों के मुताबिक पाकिस्तान की 80 फीसद सिंचाई सिंधु और उसकी सहायक नदियों के पानी से होता है। जाहिर है इन नदियों के बहाव में जरा भी बदलाव पाकिस्तान के लिए घातक साबित होगा।

पहलगाम हमले के बाद सामाजिक सौहार्द बिगाड़ रहे भाजपा और संघ: कांग्रेस

नई दिल्ली/एजेंसी
कांग्रेस ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद संघ-भाजपा पर देश के सामाजिक सदभाव को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाते हुए कहा है कि इसकी वजह से ही कई प्रदेशों में कश्मीरी छात्रों पर हमले हुए हैं। कांग्रेस मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने शनिवार को एक बयान जारी करते हुए कहा कि पाकिस्तान पहलगाम आतंकी हमले से यही हासिल करना चाहता था कि कश्मीरियों की रोजी-रोटी पर हमला हो और भारत में हिंदुओं और मुसलमानों के बीच विवाद बढ़े। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि हमले के तुरंत बाद संघ समर्थित संगठनों ने ठीक वही किया जो पाकिस्तान चाहता था और देश भर में कश्मीरी छात्रों को धमकियां दीं और भारत के मुसलमानों के खिलाफ जहर उगला। कांग्रेस प्रवक्ता खेड़ा ने भाजपा-संघ पर निशाना साधते हुए इसके साथ ही कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद पिछले चार दिन में किस नेता ने क्या किया या कहा, किस पार्टी ने क्या किया या कहा, यह तुलना आवश्यक है।

कांग्रेस ने बीजेपी पर लगाए ये आरोप

उन्होंने कहा कि इस घटना के बाद राहुल गांधी घायलों से मिलने कश्मीर गए तो पीएम मोदी चुनाव प्रचार करने बिहार गए। कांग्रेस ने कहा संकट की इस घड़ी में हम सरकार के साथ खड़े हैं। जबकि भाजपा ने एक मृतक की लाश और उसकी विधवा का कार्टून बनाया।
उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सर्वदलीय बैठक की मांग की और भाजपा ने इस बैठक में झूठ बोला। कांग्रेस ने सरकार से पाकिस्तान को दो टूक जवाब देने की बात कही तो भाजपा ने इस हमले के लिए देशवासियों में देशभक्ति की कमी को जिम्मेदार

100 से ज्यादा बाजारों में सीटीआई चलाएगा पोस्टर अभियान

दिव्या दिल्ली : पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनातनी का माहौल है। अब देशी व्यापारिक संगठनों ने पाकिस्तान के साथ व्यापारिक संबंध तोड़ने की अपील की है। दिल्ली में व्यापारियों और फैक्ट्री मालिकों के शीर्ष संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री चेयरमैन बृजेश गोयल और महासचिव गुरमीत अरोड़ा ने कहा कि पाकिस्तान के साथ सभी तरह का व्यापार बंद होना चाहिए इसके लिए सीटीआई दिल्ली के सभी 700 व्यापारी संगठनों और 56 औद्योगिक क्षेत्रों के एसोसिएशन्स से अपील कर रहा है कि पाकिस्तान से व्यापार पूरी तरह बंद किया जाए और पाकिस्तान से व्यापारी किसी भी तरह

का आयात निर्यात नहीं करेंगे बृजेश गोयल ने बताया कि इसके लिए सीटीआई 100 से ज्यादा बाजारों में पोस्टर अभियान चलाएगा CTI के पोस्टर कैंपेन की शुरूआत आज एशिया के सबसे बड़े ऑटोमोबाइल एवं मोटर पार्ट्स के बाजार कश्मीरी गेट से शुरू की जाएगी जहां से पाकिस्तान समेत एशिया के सभी बाजारों में सामान जाता है सीटीआई वरिष्ठ उपाध्यक्ष दीपक गर्ग एवं उपाध्यक्ष राहुल अदलखा ने बताया कि 2024 में भारत-पाक के बीच 10 हजार करोड़ रुपये का बिजनेस हुआ। पाकिस्तान को भारत कॉटन, कैमिकल, फूड प्रोडक्ट्स, सब्जियां, फल, प्लास्टिक प्रोडक्ट्स, कॉफी, चाय, मसाले, रंग, तिलहन, डेयरी उत्पाद, फार्मास्युटिकल, दवाइयां, कपड़ा और मोटर पार्ट्स भेजता है।वहीं, पाकिस्तान से भारत में फल, नमक, ऊनी सामान, कैमिकल, कपास और कपड़ा आते हैं।

सरकार युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध: पीएम मोदी

नई दिल्ली/एजेंसी
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत का युवा आज अपने परिश्रम और नवाचार से दुनिया को यह दिखा रहा है कि हममें कितना सामर्थ्य है। वहीं हमारी सरकार हर कदम पर यह सुनिश्चित कर रही है कि देश के युवाओं के लिए रोजगार और स्व-रोजगार के अवसर निरंतर बढ़ें। प्रधानमंत्री मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में नई नियुक्ति पाने वाले 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर

उन्होंने विभिन्न स्थानों से जुड़े जनसमूह को संबोधित भी किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बजट में सरकार ने मैन्युफैक्चरिंग मिशन की घोषणा की है। इसका उद्देश्य है- मेक इन इंडिया को बढ़ावा देना और भारत के युवाओं को ग्लोबल स्टैंडर्ड वाले प्रॉडक्ट बनाने का मौका देना है। इससे ना केवल देश के लाखों छोटे उद्योंगो और लघु उद्यमियों को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि पूरे देश में रोजगार के नए अवसर भी खुलेंगे। प्रधानमंत्री ने वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स 2025) का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत आज हर क्षेत्र में नए कीर्तिमान गढ़ रहा है और आज देश में युवाओं के लिए नए अवसर बन रहे हैं। कुछ ही दिन बाद मुंबई में वेव्स 2025 का आयोजन होगा। केंद्र में देश के युवा क्रिएटर्स हैं। मीडिया, गेमिंग और एंटरटेनमेंट से जुड़े नवाचारियों को पहला बड़ा मंच मिलेगा। स्टार्टअप्स को निवेशकों और इंडस्ट्री लीडर्स से जुड़ने का अवसर भी मिलेगा।

वर्ल्ड बैंक ने दी भारत को अच्छी खबर, 10 साल में गरीबी से बाहर आए 17 करोड़ लोग

ग्रामीण क्षेत्रों में अत्यधिक गरीबी 18.4 प्रतिशत से घटकर 2.8 प्रतिशत हुई, प्रतिदिन 2.15 डॉलर से कम पर था जीवन यापन, 10 साल में 171 मिलियन लोगों की बदली जिंदगी

16.2 प्रतिशत से घटकर 2.3 प्रतिशत हो गया आंकड़ा

नई दिल्ली/एजेंसी
भारत ने 2011-12 और 2022-23 के बीच के दशक में 171 मिलियन लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला है। ये जानकारी वर्ल्ड बैंक की गरीबी और समानता संक्षिप्त रिपोर्ट में सामने आई है। विश्व बैंक ने कहा कि पिछले एक दशक में भारत ने गरीबी को काफी हद तक कम कर दिया है।
इसमें कहा गया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में अत्यधिक गरीबी 18.4 प्रतिशत से घटकर 2.8 प्रतिशत और शहरी 10.7 प्रतिशत से घटकर 1.1 प्रतिशत हो गई। अत्यधिक गरीबी (प्रतिदिन 2.15 अमेरिकी डॉलर से कम पर जीवन यापन) का आंकड़ा 2011-12 में 16.2 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में 2.3 प्रतिशत हो गया, जिससे 171 मिलियन लोग इस रेखा से ऊपर आ गए।
रोजगार दर में भी हो रही वृद्धि रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के पांच सबसे अधिक आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश में 2011-12 में देश के 65 प्रतिशत अत्यंत गरीब थे।

सरकार देशभर में ग्रीनफील्ड औद्योगिक स्मार्ट शहर विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध: राजू

नई दिल्ली/एजेंसी
केंद्रीय भारी उद्योग, सार्वजनिक उद्यम और इस्पात राज्यमंत्री भूपति राजू श्रीनिवास वर्मा ने शनिवार को कहा कि सरकार देशभर में अत्याधुनिक ग्रीनफील्ड औद्योगिक स्मार्ट शहरों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। वर्मा ने यहां आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान यह बात कही, जहां राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम (एनआईसीडीसी) को उद्योग

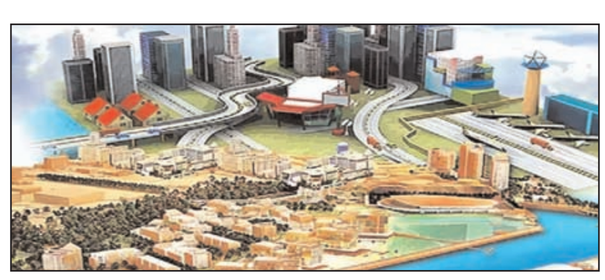

विकास पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पूरे भारत में अत्याधुनिक ग्रीनफील्ड औद्योगिक स्मार्ट शहरों के विकास के लिए केंद्र सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता के बारे में बताया।
अपने संबोधन के दौरान वर्मा ने केरल के पलक्कड़ में एकीकृत विनिर्माण क्लस्टर (आईएमसी) की परिवर्तनकारी क्षमता की सराहना की और कहा कि यह परियोजना केरल और देश के व्यापक दक्षिणी क्षेत्र के बुनियादी ढांचे और औद्योगिक परिदृश्य को नया आकार देने के लिए तैयार है। इस कार्यक्रम में भारत के लॉजिस्टिक्स पारिस्थितिकी तंत्र को बदलने में एनएलडीएसएल के योगदान को भी प्रदर्शित किया गया।

ईपीएफओ ने 15वें रोजगार मेले में 976 नवनियुक्त कर्मियों को नियुक्ति पत्र सौंपे

नई दिल्ली/एजेंसी
कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने शनिवार को रोजगार मेले के 15वें संस्करण के तहत 976 नए भर्तियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। इस अवसर पर केन्द्रीय श्रम और रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया भी मौजूद रहे। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि रोजगार मेला देशभर में 47 स्थानों पर आयोजित किया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए इस कार्यक्रम में ईपीएफओ सहित विभिन्न सरकारी विभागों में नए नियुक्त 51,000 से ज्यादा युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। मंत्रालय ने कहा कि इस महत्वपूर्ण भर्ती अभियान के तहत ईपीएफओ अपने कार्यबल को मजबूत करने के लिए नए लोगों का स्वागत करता है, जिससे पूरे भारत में लाखों ग्राहकों को सामाजिक सुरक्षा सेवाओं की कुशल डिलीवरी सुनिश्चित हो सके।

केंद्रीय विद्यालय सेक्टर 22, रोहिणी में करियर मार्गदर्शन एवं परामर्श सत्र का आयोजन

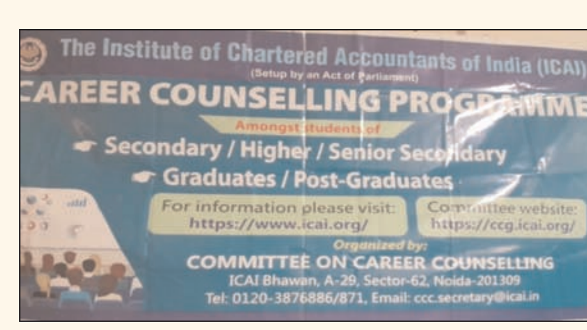

दिव्या दिल्ली : केंद्रीय विद्यालय सेक्टर 22, रोहिणी में कक्षा दसवीं और बारहवीं के विद्यार्थियों के लिए चार्टर्ड अकाउंटेंसी के क्षेत्र में करियर निर्माण हेतु एक करियर मार्गदर्शन एवं परामर्श सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र में इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की प्रतिनिधि श्रीमती मोनिका अग्रवाल ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। श्रीमती मोनिका अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा, "चार्टर्ड अकाउंटेंट बनना कोई असंभव कार्य नहीं है। किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए निरंतर मेहनत और समर्पण की आवश्यकता होती है।" उन्होंने विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में अवसरों, योग्यता और तैयारी की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विद्यालय के प्राचार्य ने अपने संबोधन में कहा, "मार्गदर्शन और परामर्श एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जो विद्यार्थियों को उनके लक्ष्यों को प्राप्त करने, समस्याओं का समाधान करने और जीवन को सकारात्मक दिशा देने में सहायता करती है।" उन्होंने विद्यार्थियों को पूर्ण समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में स्नातकोत्तर शिक्षिका श्रीमती प्रीति राजपाल ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक श्री सुरेंद्र मीणा, श्री दीपक और श्री आलोक जैन उपस्थित रहे। यह सत्र विद्यार्थियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक और उपयोगी सिद्ध हुआ, जिसने उन्हें अपने करियर के प्रति स्पष्ट दृष्टिकोण विकसित करने में मदद की।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397